केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 179 बुधवार 22 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

डा. अमजद खान ने एफएमजी परीक्षा उत्तीर्ण कर बढ़ाया जिले का मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महसो कस्बे के पठान टोला निवासी डाक्टर मोहम्मद अमजद खान ने एमबीबीएस की पढ़ाई करने के बाद प्रथम प्रयास में ही फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन की परीक्षा 180 अंक पाकर उत्तीर्ण कर जिले का मान बढ़ाया है। डॉक्टर मोहम्मद अमजद खान ने प्राथमिक शिक्षा महसो मॉडर्न स्कूल एवं इंटरमीडिएट की शिक्षा इंडियन पब्लिक स्कूल बस्ती से किया। इसके बाद एमबीबीएस की पढ़ाई नॉर्दर्न स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी से पूरी की। डाक्टर मोहम्मद अमजद खान ने इस मुकाम को हासिल करने में खान मेडिकल स्टोर और अपने पिता अकबर अली खान, भाई अफजल खान और परिजनों को श्रेय दिया है। वे चिकित्सक के रूप में मानव सेवा करना चाहते हैं। बताया कि यदि इच्छा शक्ति हो तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

बस्ती के बेरोजगारों को विदेशों में मिलेगा नौकरियों का अवसर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती जनपद के युवक व युवतियों को इजरायल के साथ साथ जापान और जर्मनी में रोजगार पाने का सुनहरा अवसर है। जिला सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा ने बताया कि अभी तक विदेशों में नौकरी हेतु इस्राइल में कुशल कामगारो को भेजा गया है। किंतु अब उत्तर प्रदेश सरकार ने एन एस डी सी के माध्यम से इजरायल,जर्मनी और जापान को भी जोड़ा गया है।

उन्होंने बताया कि विभागीय पोर्टलrojgaarsangam.up.gov.in पर पंजीकरण आरम्भ हो गया है जिसकी अंतिम तिथि 31 जनवरी है। वर्तमान में इस्राइल, जापान, जर्मनी में नर्सिंग व केयर गिवर (देखभालकर्ता) के लिए रिक्तियां निकली हैं। इसमें नर्सिंग डिप्लोमा योग्यताधारी पुरूष व महिला पात्र होंगे।

उन्होंने बताया कि आयु सीमा 25 से 45 वर्ष रखी गई है। यहां 5000 पद हैं और वेतन 131818 रुपये प्रतिमाह मिलेगा। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जनवरी है। जापान में केयर गिवर के पद के लिए नर्सिंग डिप्लोमा वाले पुरुष व महिला अभ्यर्थी पात्र होंगे। 20 से 27 वर्ष के युवा आवेदन कर सकते हैं। यहां 50 पद हैं। 1,16,976 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे।

उन्होंने बताया कि जर्मनी में सहायक नर्स की रिक्तियां हैं। इसमें नर्सिंग डिप्लोमा के साथ आयु सीमा 24 से 40 वर्ष निर्धारित है। पदों की संख्या 250 है। वेतन 229925 रुपये प्रतिमाह मिलेगा। इस पद के लिए 31 जनवरी तक कराना होगा। इच्छुक अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल तवरहंतेंदहंउण्नचण्हवअण्पद पर जॉब सीकर के रूप में निःशुल्क पंजीकरण अपने यूजर आईडी पासवर्ड के माध्यम से उक्त रिक्तियो मे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय कटरा मूडघाट रोड बस्ती में संपर्क कर सकते हैं ।

राष्ट्रपति बनते ही ट्रम्प ने बाइडेन के कई फैसले पलटे

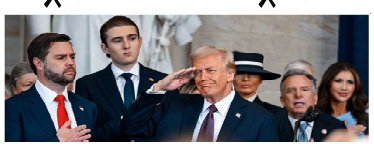

वाशिंगटन (आभा)। डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने भारतीय समयानुसार सोमवार रात 10.30 बजे अमेरिकी संसद कैपिटल हिल में पद की शपथ ली। सुप्रीम कोर्ट के जज जॉन रॉबर्ट्स ने उन्हें शपथ दिलाई। यह उनका दूसरा टर्म है। वे 2017 से 2021 तक अमेरिका के 45वें राष्ट्रपति रह चुके हैं।

ट्रम्प के शपथ के दौरान पत्नी मेलानिया बाइबिल लेकर खड़ी रहीं। शपथ के बाद कुछ देर तक संसद का कैपिटल रोटुंडा हॉल तालियों से गूंजता रहा। अपनी स्पीच में ट्रम्प ने कहा कि भगवान ने अमेरिका को महान बनाने के लिए उन्हें बचाया। इससे पहले जेडी वेंस ने अमेरिका के 50वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

ट्रम्प ने शपथ के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के साथ युद्ध खत्म करने के लिए समझौता न करके रूस को तबाह कर रहे हैं। मुझे लगता है कि रूस बड़ी मुसीबत में पड़ने वाला है। उन्हें समझौता करना चाहिए। जेलेंस्की ने मुझसे कहा है कि वे एक सौदा करना चाहते हैं। मुझे नहीं पता है कि पुतिन ऐसा करते हैं या नहीं। हो सकता है कि वह ऐसा न करें। लेकिन मुझे लगता है कि पुतिन को डील करनी चाहिए।

ट्रम्प ने कहा कि रूस एक तरह से बड़ी मुसीबत में है। आप उनकी इकोनॉमी पर नजर डालें, उनकी महंगाई दर को देखिए। मैं पुतिन के साथ बहुत अच्छा रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि वह यूक्रेन जंग को खत्म करने को लेकर डील करना चाहेंगे।

ट्रम्प ने चुनावी अभियान के दौरान वादा किया था कि वे शपथ लेने के अगले दिन ही रूस–यूक्रेन जंग खत्म कराएंगे। इस वादे को लेकर जब ट्रम्प से पत्रकारों ने सवाल पूछा तो उन्होंने कहा– मेरे पास अभी भी आधा दिन बाकी है (मजाकिया अंदाज में)। फिर उन्होंने कहा कि वे इसे जल्दी ही समाप्त करना चाहते हैं।

ट्रम्प ने कहा कि पुतिन ने सोचा था कि वे एक हफ्ते में यूक्रेन को जीत लेंगे। लेकिन अब ये तीसरे साल में एंटर करने को लेकर है। यह बिल्कुल अच्छा नहीं है। पुतिन इससे खुश नहीं होंगे।

ट्रम्प ने कहा कि उनके पास डेटा है कि जंग में लगभग 10 लाख रूसी सैनिक मारे गए हैं। वहीं 7 लाख यूक्रेनी सैनिक मरे हैं।

पोषण समिति की बैठक: शुरू तक नहीं हो पायी 12 परियोजनायें

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती, । जिला पोषण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में आहूत की गयी। समीक्षा के दौरान उन्होंने पाया कि जनपद में चिन्हित किए गए 2047 सैम बच्चों में से अब तक 1342 बच्चों को दवाएं उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। शेष बच्चों को जिलाधिकारी ने शीघ्र दवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश सम्बन्धित को दिए। उन्होंने इसके लिए मुख्य चिकित्साधिकारी व जिला कार्यक्रम अधिकारी को संयुक्त रूप से साप्ताहिक समीक्षा करने के लिए निर्देशित किया। एनआरसी में बच्चों की भर्ती की कम संख्या को देखते हुए आर0बी0एस0के टीम को सक्रिय रूप से काम करने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिए गये।

जिलाधिकारी द्वारा पोषण ट्रैकर एप पर आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों की जानकारी और उनकी पोषण स्थिति की फीडिंग शत प्रतिशत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये। पोषण ट्रैकर एप के माध्यम से वास्तविक समय में डेटा उपलब्ध कराने और इसे नियमित रूप से अद्यतन करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया गया। यह प्रयास बच्चों की पोषण स्थिति की सटीक निगरानी और सुधार में सहायक होगा।

जिले में शौचालय, पेयजल और लर्निंग लैब से संबंधित कार्यों की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि शौचालय निर्माण कार्य के अंतर्गत 12 परियोजनाएं और पेयजल व्यवस्था के अंतर्गत 10 परियोजनाएं अब तक आरंभ नहीं हुई हैं। इन सभी अनारंभ कार्यों को शीघ्र आरंभ करने के लिए खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया। शौचालय और पेयजल की उपलब्धता से बच्चों की सुविधाएं सुनिश्चित होंगी। इसके अलावा, लर्निंग लैब के कार्य में भी तेजी लाने का निर्देश दिया गया है ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण का लाभ मिल सके।

जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री भर्ती प्रक्रिया में अब तक की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी0एस0, एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, मुख्य चिकित्साधिकारी आर0एस0 दूबे, मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति, पीडी राजेश कुमार, डीडीओ अजय सिंह, उपजिलाधिकारी शाहिद अहमद, विनोद पाण्डेय, शत्रुघ्न पाठक, ईओ नगर पालिका सुनिष्ठा सिंह, डीपीआरओ रतन कुमार, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी राजेश कुमार, समस्त खण्ड विकास अधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महाकुंभ में योगी कैबिनेट बैठक 22 को

प्रयागराज (आभा)। महाकुंभ में बुधवार 22 जनवरी को योगी कैबिनेट की बैठक होने जा रही है। इस बैठक में योगी सरकार के सभी 54 मंत्रियों को बुलाया गया है। पहले यह बैठक मेला प्राधिकरण के सभागार में होनी थी। लेकिन अब स्थान बदल दिया गया है। अब अरैल में कैबिनेट बैठक होगी। सीएम योगी ने आम श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए स्थान बदला गया है। सीएम योगी का मानना है कि वीआईपी मूवमेंट मेला क्षेत्र में होने से श्रद्धालुओं को परेशानी हो सकती है।

इस बैठक में प्रदेश को कई सौगात देने वाली योजनाओं और प्रस्तावों को मंजूरी दी जाएगी। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरे मंत्रिमंडल के साथ त्रिवेणी संगम की पावन धारा में डुबकी भी लगाएंगे।

आईजीआरएस शिकायतों का निस्तारण प्रभावी ढंग से करायें अधिकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । आईजीआरएस संदर्भो की समीक्षा बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। उन्होंने विभागवार संबंधित अधिकारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि जिम्मेदार अधिकारी स्वयं अपनी देख–रेख में फीडिंग का कार्य सम्पन्न करायें। जिन विभागों की प्रगति ए श्रेणी से निम्न है, उनके द्वारा प्रगति में सुधार के लिए प्रयास किया जाय। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जिन विभागों की श्रेणी ए है, ऐसे विभाग ए प्लस श्रेणी में आने का प्रयास करें और ए प्लस वाले यथास्थिति को बनाये रखें।

आईजीआरएस संदर्भो के निस्तारण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि डिफाल्टर व असंतुष्टि पर विशेष ध्यान दिया जाय। शिकायतों का निस्तारण इस तरह से किया जाय कि असंतुष्ट श्रेणी के संदर्भो की संख्या न्यून से न्यूनतम रहें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आईजीआरएस अन्तर्गत प्राप्त होने वाले संदर्भ को समयबद्धता के साथ निस्तारित करें, जिससे कोई भी प्रकरण डिफाल्टर की श्रेणी में न रहें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि डिफाल्टर की श्रेणी में पाये जाने पर सम्बन्धित के खिलाफ स्पष्टीकरण जारी किया जायेगा।

बैठक में एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति, पीडी राजेश कुमार, डीडीओ अजय सिंह, उपजिलाधिकारी शाहिद अहमद, विनोद पाण्डेय, शत्रुघ्न पाठक, ईओ नगर पालिका सुनिष्ठा सिंह, डीपीआरओ रतन कुमार, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी राजेश कुमार, एआरटीओ पंकज कुमार, ईडीएम सौरभ द्विवेदी सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सिंचाई बंधु की बैठक में उठे जमीनी मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपाध्यक्ष गजेन्द्र मणि त्रिपाठी ने कहा कि किसानों के हित में खाद के मूल्यों को नियंत्रित किया जाय तथा उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाय। विकास भवन सभागार मे आयोजित बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन में शिथिलता बरतने पर अधिकारियों पर कार्यवाही की जायेगी। इसके लिए उच्च स्तर पर शिकायत भी की जायेगी। प्रत्येक दशा में किसानों को समय से योजनाओं से लाभान्वित कराना शासन की मंशा है, इसमें शिथिलता से आम जनमानस में गलत संदेश जाता है।

उपाध्यक्ष ने नलकूप विभाग के जेई को निर्देशित किया कि पाइप की लैब टेस्टिंग गोरखपुर लैब से करायी जाए। नलकूप के विभाग के जेई ने बताया कि जनपद में सिंचाई के लिए नलकूपों की स्थिति ठीक है। वर्तमान में 6 नलकूप विद्युत दोष से तथा 3 यांत्रिक दोष से बंद है, इन्हें शीघ्र ही संचालित करा दिया जायेगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष में जनप्रतिनिधियों के प्रस्ताव के सापेक्ष कुल 13 नये नलकूप शीघ्र ही स्थापित किये जायेंगे। बाढ़ खण्ड के इंजीनियर धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि धुसवा बांध पर 2.76 करोड़ की परियोजना निर्माणाधीन है, यह शीघ्र ही पूरी हो जायेगी। उन्होंने सरयू नहर खण्ड अयोध्या द्वारा रानीपुर रेहरवा तथा केशवापुर में नहर पर निर्माण की गयी दीवाल/डिवाइडर पर आपत्ति प्रकट करते हुए कहा कि इसकी जांच कराने हेतु उच्चाधिकारियों से शिकायत की जायेगी।

सांसद/विधायक प्रतिनिधि कप्तानगंज गुलाब चन्द्र सोनकर ने बाढ़ आपदा का मूल्यांकन हेतु निर्देशित मईलपुरा व महुआकला गांव के बारे में जानकारी चाही। जिस पर संतोषजनक उत्तर नहीं प्राप्त हुआ। उन्होंने जनपद बस्ती के डमरूआ नगरीय क्षेत्र में बाढ़ की प्रभावित एरिया को बाढ़ से सुरक्षित करने की कार्यवाही किए जाने को विशेष आवश्यक बताया। नहरों के सिल्ट सफाई विषयक चर्चा पर भी जनप्रतिनिधियों द्वारा असंतोष व्यक्त किया गया।

जिला कृषि अधिकारी डा0 बी0आर0 मौर्य ने बताया कि प्रत्येक ब्लाक में आत्मा योजनान्तर्गत 28 किसानों को लाभान्वित किया गया है। फार्मर रजिस्ट्री का कार्य तेजी से किया जा रहा है। अब तक 108735 किसानों का फार्मर रजिस्ट्री किया जा चुका है जो 520396 के सापेक्ष है।

लघु सिंचाई विभाग के जेई द्वारा बताया गया कि निःशुल्क बोरिंगधारकों में 145 इंजन का वितरण करा दिया गया है। जिस पर जनप्रतिनिधियों द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी और उनके अधिशाषी अभियन्ता से दूरभाष से वार्ता करने का प्रयास किया गया परन्तु समुचित उत्तर नहीं मिला। जनप्रतिनिधियों द्वारा सुविखाबाबू गांव (कप्तानगंज विधानसभा अन्तर्गत) को बाढ़ से बचाव हेतु अब तक की गयी कार्यवाही के विषय में जानकारी चाही गयी, इस पर बाढ़ खण्ड के अधिकारी ने बताया कि अद्यतन जानकारी लिखित रूप में एक सप्ताह में उपलब्ध करा दिया जायेगा।

बैठक में विधायक प्रतिनिधि हरैया सरोज मिश्रा, महादेवा फूलचन्द्र श्रीवास्तव, सदर मो0 सलीम, अधिशासी अभियंता नोडल राकेश कुमार गौतम, सहायक अभियन्ता सरयू नहर खण्ड आर0एन0 तिवारी, अमरनाथ दूबे, सत्येन्द्र कुमार विश्वकर्मा, परविन्द सिंह, राघवेन्द्र कुमार नायक, रामवृक्ष राम, रामनरेश सिंह, हरेन्द्र प्रसाद, आदित्य, सुनील कुमार यादव, बलिकरन चौहान, दुर्गेश कुमार, डी0के0 सिंह उपस्थित रहे।

होटल में लगी भीषण आग से 66 की मौत

तुर्की (आभा)। उत्तर–पश्चिमी तुर्किये (तुर्की) के एक स्की रिसॉर्ट होटल में लगी भीषण आग में कम से कम 66 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 51 अन्य घायल हो गए हैं। यह हादसा कार्तलकाया स्थित बोलू प्रांत के एक होटल में हुआ। तुर्किये के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि आग होटल के रेस्तरां में देर रात करीब 3.30 बजे लगी। आग की भयावहता इतनी ज्यादा थी कि दमकलकर्मियों को कई घंटे तक इसे बुझाने में मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने कहा, 'हम गहरे दुख में हैं। इस हादसे में हमने 66 लोगों को खो दिया है।'

स्वास्थ्य मंत्री केमल मेमिसोग्लू के अनुसार, घायलों में एक व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है। बोलू के गवर्नर अब्दुलअजीज आयदिन ने स्थानीय समाचार एजेंसी ज्त्ज् को बताया कि आग होटल की चौथी मंजिल से शुरू हुई और देखते ही देखते 11–मंजिला इमारत में फैल गई।

आग के दौरान होटल की फायर डिटेक्शन प्रणाली काम नहीं कर पाई। तीसरी मंजिल पर ठहरे अतिथि अताकान येलकोवान ने बताया, ष्मेरी पत्नी ने जलने की गंध महसूस की। अलार्म नहीं बजा। हम ऊपर जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन आग की वजह से नहीं जा सके।ष येलकोवान ने यह भी कहा कि दमकल टीमों को मौके पर पहुंचने में करीब एक घंटा लग गया। उन्होंने बताया, ष्ऊपरी मंजिलों पर फंसे लोग चीख रहे थे। कुछ ने चादरों से लटकने की कोशिश की और कुछ ने जान बचाने के लिए छलांग लगाई।

सिद्धार्थ विवि से खत्म होगी दो जिलों के महाविद्यालयों की सम्बद्धता

सिद्धार्थनगर (आभा)। उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने बलरामपुर जनपद में भी मां पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की है। भवन का निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है। सबकुछ ठीक ठाक रहा तो जुलाई से कक्षाओं का संचालन भी शुरू हो जाएगा। संचालन के बाद से सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु से संबद्ध बलरामपुर और श्रावस्ती जनपद के डिग्री कॉलेजों की संबद्धता पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी। लिहाजा सिद्धार्थ विवि से सिद्धार्थनगर समेत चार जिलों के महाविद्यालयों की संबद्धता रह जाएगी।

बलरामपुर जिले में नवस्थापित मां पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय के जुलाई माह से कक्षाओं के संचालन की उम्मीद के बीच सिद्धार्थ विवि कपिलवस्तु से बलरामपुर और श्रावस्ती जिले के संबद्ध डिग्री कॉलेजों की संबद्धता खत्म होने के बाद सिद्धार्थ विवि से सिद्धार्थनगर समेत बस्ती, संतकबीरनगर, महराजगंज, बस्ती जनपद के ही डिग्री कॉलेज की संबद्धता रह जाएगी। बस्ती में 60, संतकबीरनगर और महराजगंज में 71–71, सिद्धार्थनगर में 38 महाविद्यालय हैं। मां पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय के संचालन को लेकर शासन गंभीर है। कक्षाओं के संचालन होने संबंधी आदेश जारी होने के बाद इस विवि से बलरामपुर और श्रावस्ती जनपद के डिग्री कॉलेज को संबद्ध किया गया है।

नेहरू युवा केन्द्र माय भारत के युवाओं ने चलाया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को नेहरू युवा केन्द्र माय भारत द्वारा जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव के संयोजन में बड़े बन के निकट स्थित यातायात सभागार में नेहरू युवा मण्डल के युवाओं, युवतियों को यातायात के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। उनसे आग्रह किया गया कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में लोगों को यातायात के बारे में जागरूक करें, नशे में वाहन न चलाये, हेलमेट का प्रयोग करते हुये नियमों का पालन करें जिससे दुर्घटनाओं और उससे होने वाली मौतों पर अंकुश लगाया जा सके। यातायात प्रभारी अवधेश तिवारी ने युवाओं को यातायात नियमो की विस्तार से जानकारी दी। जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव ने यह जानकारी देते हुये बताया कि 17 से 23 जनवरी तक सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान विभिन्न चरणों में चलाया जा रहा है।

प्रशिक्षण के बाद नेहरू युवा मण्डल के युवाओं, युवतियों ने बड़े वन चौराहे पर लोगों को यातायात के लिये जागरूक किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ओम प्रकाश मिश्र, मो. आरिफ, मनोरमा चौधरी, परवेज अहमद, अरूण कुमार, दिलीप कुमार गुप्ता आदि शामिल रहे।

नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म: मां ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोनहा थाना क्षेत्र के एक गांव के एक नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म, वीडियो बनाने, इण्टरनेट पर डाल देने की धमकी देने के मामले में पीड़िता की मां ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर सोनहा थाना क्षेत्र के खाजेपुर मचनहिया निवासी रंजीत और सिद्धार्थनगर जनपद के डुमरियागंज थाना क्षेत्र के राजकुमार पुत्र अज्ञात के विरूद्ध कार्रवाई और धन, जेवर की वापसी, पीड़ित परिवार के जान माल के सुरक्षा की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में पीड़िता की मां ने कहा है कि उसकी नाबालिग बेटी के साथ गलत काम किया गया और जेवर, 50 हजार रूपया भी राजकुमार डकार गया। सोनहा थाने में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद राजकुमार और रंजीत लगातार धमकियां दे रहे हैं और खाजेपुर मचनहिया निवासी ग्राम प्रधान राजेश लगातार उन्हें संरक्षण दे रहे हैं। मांग किया कि दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई कर उसके परिवार के जान माल की सुरक्षा उपलब्ध कराया जाय। पीड़िता को डरा धमका कर बयान दिलाने के मामले में नये सिरे से विवेचक को बदलकर बयान कराया जाय।

कर्पूरी ठाकुर पार्क और मूर्ति स्थापित कराने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा के मण्डल महासचिव ठाकुर प्रेम नन्दवंशी के नेतृत्व में अनेक संगठनों, राजनीतिक दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि बस्ती जिला मुख्यालय पर भारत रत्न बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जन नायक कर्पूरी ठाकुर पार्क और उनकी मूर्ति स्थापित कराया जाय।

–ओबीसी मोर्चा ने सहमति पत्र के साथ सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन के साथ सांसद राम प्रसाद चौधरी, अपना दल एस के शिव कुमार चौधरी, भारतीय जनता पार्टी के प्रभात कुमार गौतम, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मनोज कुमार राजभर, निषाद पार्टी से संदीप कुमार निषाद, आजाद समाज पार्टी के मेराज अहमद, सरदार सेना के वृजेश पटेल, भारत मुक्ति मोर्चा से आर.के. आरटियन, एआईएमसीईए से आलोक ठाकुर, राष्ट्रीय किसान मोर्चा से सुग्रीव प्रसाद चौधरी, बहुजन मुक्ति पार्टी से बुद्धेश राना, भीम आर्मी जय भीम से विक्रम गौतम आदि द्वारा दिया गया सहमति पत्र भी सौंपा गया।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा के मण्डल महासचिव ठाकुर प्रेम नन्दवंशी ने ज्ञापन देने के बाद बताया कि भारत रत्न बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जन नायक कर्पूरी ठाकुर के नाम पर पार्क और प्रतिमा स्थापना कराने को लेकर निरन्तर प्रयास किया जा रहा है किन्तु प्रशासनिक स्तर पर अभी कोई अपेक्षित सफलता नहीं मिल पायी है। कहा कि जब तक पार्क और प्रतिमा का निर्माण नहीं हो जाता चरणबद्ध ढंग से प्रयास जारी रहेगा। ज्ञापन देने वालों में राम सुमेर यादव, कृपाशंकर, दुर्गेश चौधरी, ओंकार शर्मा, उमाशंकर शर्मा आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 22 जनवरी 2025 बुधवार

सम्पादकीय

किसान समस्याओं का निकले हल

उम्र और स्वास्थ्य की चिंताओं के बावजूद, किसान नेता डल्लेवाल ने चिकित्सा सहायता स्वीकार कर अनशन जारी रखने की घोषणा की है। उनकी मुख्य मांग एमएसपी की कानूनी गारंटी है, जबकि सरकार इसे व्यावहारिक नहीं मानती। सुप्रीम कोर्ट ने भी किसी आदेश या टिप्पणी से बचते हुए बातचीत का सुझाव दिया है। केंद्र सरकार की पहल के बाद 26 नवंबर से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने आखिर चिकित्सा सहायता लेना स्वीकार कर लिया है। डल्लेवाल की उम्र और उनके स्वास्थ्य की नाजुक स्थिति को देखते हुए स्वाभाविक ही चिंता बढ़ती जा रही थी। ऐसे में यह फैसला सभी पक्षों के लिए राहत बनकर आया है। हालांकि अभी यह राहत तात्कालिक ही है क्योंकि यह साफ नहीं हो पाया है कि बातचीत के इस प्रस्ताव से किसान संगठनों की मांगों पर बना गतिरोध दूर होगा या नहीं और होगा तो कैसे।

आंशिक सहमति रू यह इस बात से भी स्पष्ट है कि किसान नेता डल्लेवाल ने चिकित्सा सहायता लेना मंजूर करते हुए भी अपना अनशन जारी रखने का ऐलान किया है। अभी भी उनका यह रुख कायम है कि मांग पूरी होने तक उनका अनशन चलता रहेगा। ध्यान रहे, उम्र के आठवें दशक में चल रहे डल्लेवाल कैंसर पेशंट भी हैं। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि जल्द से जल्द अनशन समाप्त कर वह डॉक्टरों की सलाह के मुताबिक समय पर दवाएं और भोजन लेना शुरू करें।

किसान संगठनों की मांगों को लेकर गतिरोध लंबे समय से बना हुआ है। जहां किसान मुख्य तौर पर सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (डैप) की कानूनी गारंटी मांग रहे हैं वहीं सरकार बार–बार कह चुकी है कि यह व्यावहारिक नहीं है। दोनों पक्षों के पास अपने तर्क हैं, लेकिन एक बात तो तय है कि किसी बुजुर्ग नेता का अनशन पर बैठना भावनात्मक दबाव भले बनाए, किसानों की मांग को ज्यादा तर्कसंगत और न्यायोचित नहीं बनाता।

सरकार इस मांग को स्वीकार करने में अपनी असमर्थता जताते हुए जो इन्फ्रास्ट्रक्चर का अभाव, वित्तीय संसाधनों की कमी और खाद्य पदार्थों के मूल्य में असाधारण बढ़ोतरी की आशंका जैसे कारण गिनाती है, उन्हें सीधे तौर पर खारिज नहीं किया जा सकता। शायद यही वजह रही कि सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में न तो कोई आदेश जारी किया और न ही इन मांगों के मेरिट पर कोई सीधी टिप्पणी की।

वैसे देखा जाए तो किसान संगठन शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांग पर जोर दे रहे हैं जिसका उन्हें अधिकार है। ऐसे में इकलौता रास्ता यही बचता है कि दोनों पक्ष खुले मन से बातचीत के जरिए बीच की कोई राह निकालें। उम्मीद है कि ताजा पहल हालात को उस तरफ ले जाएगी।

भरोसे का संकट

विश्व भर के धनी और शक्तिशाली देश दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूएफ) की वार्षिक बैठक में भारत की आर्थिक नीतियों, डिजिटल इंडिया कार्यक्रम द्वारा लाए गए डिजिटल परिवर्तन समाज के सभी वर्गों के नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण के तरीके को समझने के लिए उत्सुक हैं। भारत की 'विविधता में एकता' पूरी तरह से प्रदर्शित हो रही है। महत्वपूर्ण है कि डिजिटल इंडिया पहल के हिस्से के रूप में विकसित भारत के नवीन डिजिटल ढांचे ने समावेशी विकास को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए एक वैश्विक मानदंड स्थापित किया है, जो मंच पर चर्चा में है।

शिखर सम्मेलन से पहले के एक अन्य सर्वेक्षण से पता चला है कि 2025 में आर्थिक विकास के लिए सशस्त्र संघर्ष सबसे बड़ा जोखिम होगा। दूसरी ओर बैठक से पहले जारी एडेलमैन ट्रस्ट बैरोमीटर के अनुसार भारत 2025 में विश्वास के मामले में तीसरे स्थान पर खिसक गया है। इसका कारण सरकार, व्यवसायों, मीडिया और गैर सरकारी संगठनों में विश्वास में गिरावट थी। अध्ययन में पाया गया कि देश अब चीन और इंडोनेशिया से पीछे है, जो विश्वास स्कोर में वृद्धि के कारण दूसरे स्थान पर रहे, जबकि भारत का स्कोर अपरिवर्तित रहा।

देश में मुख्यालय वाली कंपनियों पर वैश्विक विश्वास की बात आती है तो भारत 13वें स्थान पर है। इस सूची में कनाडा शीर्ष पर है, उसके बाद जापान, जर्मनी, यूके, फ्रांस और अमेरिका हैं, मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, चीन और ब्राजील जैसे देश भारत से आगे हैं। सर्वेक्षण में 28 देशों के 33,000 से अधिक लोगों की प्रतिक्रियाएं शामिल थीं। महत्वपूर्ण है कि भारत में, कम आय वाली 65 प्रतिशत आबादी ने राष्ट्रीय संस्थानों पर विश्वास व्यक्त किया, जबकि उच्च आय वाले व्यक्तियों में 80 प्रतिशत ने विश्वास व्यक्त किया। उच्च आय वाले उत्तरदाताओं में, भारत इंडोनेशिया, सऊदी अरब और चीन के बाद विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर है।

सर्वेक्षण में विकसित और विकासशील देशों के बीच एक महत्वपूर्ण विश्वास अंतर का भी पता चला। ऑक्सफैम की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में अरबपतियों की संपत्ति 2024 में 2000 अमेरिकी डॉलर बढ़कर 15,000 अमेरिकी डॉलर हो गई जो 2023 की तुलना में तीन गुना अधिक है। राहत की बात है कि नियोक्ताओं के प्रति भरोसे में थोड़ी गिरावट के बावजूद, व्यवसाय विश्व स्तर पर सबसे भरोसेमंद संस्थान बने हुए हैं। यह संभव हुई है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित किया है जो समाज के सबसे निचले तबके के लोगों के जीवन में परिवर्तनकारी बदलाव लाता है।

युद्धमुक्त विश्व और ट्रंप के संकल्प

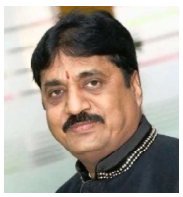

—ललित गर्ग—

राष्ट्रपति के तौर पर अपने दूसरे कार्यकाल पर लौटने से पहले ट्रंप ने 'तीसरा विश्व युद्ध' रोकने की कसम खाकर दुनिया में शांति, अमन एवं अयुद्ध की संभावनाओं को बल दिया है। 47वें राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप ने शपथ से एक दिन पहले गाजा में हुए युद्ध विराम का क्रेडिट भी लिया। रूस और यूक्रेन युद्ध भी खत्म करने की प्रतिबद्धता दोहरायी गयी है। बावजूद इनके विश्व युद्ध के कयास तेजी से लग रहे हैं। इसे लेकर भी कई सवाल उठते हैं कि क्या सच में तीसरा विश्व युद्ध होना इतना आसान है? लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मैं यूक्रेन में युद्ध खत्म कर दूंगा। मैं मध्य पूर्व में अराजकता रोक दूंगा और मैं तीसरे विश्व युद्ध को होने से रोक दूंगा।' निश्चित ही ट्रंप के इन संकल्पों से अमेरिका में एक नए युग का आगाज हो रहा है, जो दुनिया में भी एक नई युद्ध मुक्त समाज–संरचना के बड़े बदलावों की ओर इशारा कर रहा है। राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से ही ट्रंप कई संकेत ऐसे दे चुके हैं, जिनसे लगने लगा है कि दुनिया बदलने वाली है। ये बदलाव इस बात पर केंद्रित रहेंगे कि अमेरिका को फिर एक बार महान बनना है। यह 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा डोनाल्ड ट्रंप की एक नई पहचान बन गया है और बहुत संभावना है कि इस बार ट्रंप अपने सपने को साकार करने के लिए दुस्साहस का भी परिचय देते हुए युद्ध की मानसिकता वाले देशों की सोच में बदलाव का कारण बन जाये।

विश्व में अनेक देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं एवं ऐसे ही युद्ध की व्यापक संभावनाएं बनी हुई हैं। विश्व युद्ध कई कारणों से शुरू हो सकते हैं। जैसे राष्ट्रवाद यानी अपने देश के प्रति अत्यधिक लगाव और अन्य देशों के प्रति घृणा। जब राष्ट्रवाद चरम पर पहुंच जाता है तो युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है या फिर एक शक्तिशाली देश दूसरे देशों पर अपना अधिकार जमाना चाहता है, तो इससे युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। इसके अलावा देशों के बीच आर्थिक प्रतिस्पर्धा भी युद्ध का कारण बन सकती है। साथ ही धार्मिक मतभेद भी युद्ध का कारण बन सकते हैं और किसी देश में राजनीतिक अस्थिरता होने पर पड़ोसी देशों में भी अशांति फैल सकती है और युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। युद्ध की इन व्यापक संभावनाओं पर ट्रंप के संकल्प से विराम लगना विश्व की समाज–व्यवस्था, आर्थिक विकास एवं सह–जीवन के लिये एक शुभ संकेत है। क्योंकि विश्व युद्ध के परिणाम बहुत ही विनाशकारी होते हैं। इसमें लाखों लोग अपनी जान गंवा देते हैं। युद्ध से देशों की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान पहुंचता है। साथ ही युद्ध से समाज में अस्थिरता फैल जाती है, महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी बढ़ जाती है और युद्ध के बाद देशों के राजनीतिक नक्शे में बदलाव आ सकता है।

अमेरिका दुनिया में अमन चाहता है और नये राष्ट्रपति ट्रंप ने यदि किसी भी देश के युद्ध में सेना नहीं भेजने का संकल्प लिया है तो इससे दुनिया में युद्ध की संभावनाओं पर विराम लगना तय है। क्योंकि अब तक शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका ही दुनिया मे युद्ध की भूमि तैयार करता रहा है, अपनी सेना एवं सैन्य सामान भेज कर युद्ध की भूमि को उर्वरा बनाता रहा है। विश्व समुदाय कई संकटों का सामना कर रहा है– संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक–आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच ट्रंप के नये संकल्प एवं योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आज युद्ध और तनाव की समस्या बढ़ती जा रही है। हथियारों का उत्पादन लगातार बढ़ता जा रहा है। हर देश परमाणुशक्ति संपन्न बनने के लिए प्रयासरत है। यह एक अजीबोगरीब स्थिति है। युद्ध की आशंका को खत्म करने के लिए हथियारों का जखीरा बढ़ाया जा रहा है। पहले बीमारी पैदा की जा रही है, फिर उसके इलाज का उपाय ढूंढा जा रहा है। इसमें अब तक अमेरिका की ही सर्वाधिक भूमिका रही है, लेकिन अब उसके नये राष्ट्रपति की युद्धमुक्त विश्व संरचना की सोच से दुनिया में शांति एवं अमन कायम होगा। युद्ध से कभी किसी का भला नहीं होता। वह सदैव अपने पीछे दुख भरी यादें छोड़कर जाता है। युद्ध से किसी मां का बेटा उसे बिछड़ जाता है, किसी बहन का भाई उससे बिछड़ जाता है, कोई स्त्री अपने पति को खो देती है, कोई बेटी अपने पिता को खो देती है। इस तरह युद्ध केवल जान लेता है। इसके अलावा युद्ध से संपत्ति भी नष्ट होती है एवं विकास अवरुद्ध होता है। इसके विपरीत यदि सब जगह शांति हो, लोग आपस में नहीं लड़ें, देशों में आपस में युद्ध नहीं हो, तो विकास होता है।

ट्रंप ने अमेरिकी राजनीति के तेवर–कलेवर को तो बदला ही है और वह वहां लोकतंत्र को भी बदलने जा रहे हों, तो कोई आश्चर्य नहीं। उनकी टीम के अनेक दिग्गज परिवर्तन के आकांक्षी हैं। न जाने कितने परिवर्तन ट्रंप के शासन में लागू होंगे। उम्मीद करनी चाहिए कि ट्रंप की नई टीम अमेरिकी परंपराओं का यथासंभव निर्वाह करते हुए ही देश को फिर से महान बनाएगी। लेकिन इस बार अमेरिकी परम्पराओं में युद्ध एवं हिंसा के स्थान पर शांति, विकास एवं हथियार मुक्ति के संकल्प होना बड़ी एवं राहतभरी बात है। हालांकि, अमेरिका को महान बनाने के अभियान पर कई सवाल भी हैं। क्या अमेरिकी निर्णायकों ने मान लिया है कि अमेरिका अब महान नहीं रहा? इस अभियान के नाम से तो शायद यही लगता है कि अमेरिकी विचारकों ने अपने देश के महान न रह पाने की वजहों का पता भी लगा लिया है। उनकी नजर उन अमेरिकी चालाकियों पर भी निस्संदेह पड़ी होगी, जिनकी वजह से अमेरिकियों की अक्सर आलोचना होती है। इन वजहों में युद्ध एवं हथियारों की होड़ बड़ी वजह रही है। अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि युद्ध, हिंसा, आतंकमुक्त नये अमेरिका को विकसित करने एवं विश्व में शांति के संकल्प को देखते हुए अमेरिका को शुरू से ही भारत के साथ खड़ा रहना चाहिए। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका सबसे पुराना जीवित लोकतंत्र है, दुनिया में युद्ध एवं आतंक के खिलाफ भारत हमेशा अग्रसर रहा है, युद्ध का अंधेरा मिटाने, शांति का उजाला करने एवं अहिंसा–सहजीवन की कामना ही भारत का लक्ष्य रहा है। इसीलिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार युद्ध विराम की कोशिश करते रहे हैं।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद भारत और अमेरिका के रिश्तों पर क्या असर होगा, इसे लेकर विशेषज्ञ कई तरह की उम्मीदें जता रहे। जानकारों के मुताबिक, ट्रंप के आने से भारत और अमेरिका के संबंध और गहरे होंगे। चीन को लेकर दोनों देशों की चिंता इन्हें करीब लाएगी। यह ट्रेंड पिछले पांच अमेरिकी राष्ट्रपतियों के कार्यकाल जैसा ही रहेगा। क्वाड और मजबूत होगा। प्रशासन के कई विभागों में भारत के अच्छे संबंध बनेंगे। राजनीतिक और वैचारिक तालमेल भी अच्छा रहने की उम्मीद की जा रही। इसके साथ ही रक्षा, खुफिया और सुरक्षा मामलों में दोनों देशों के बीच भरोसा बढ़ेगा। टेक्नोलॉजी में सहयोग की संभावनाएं बढ़ने के आसार हैं। सबसे अहम है भारत की युद्ध एवं आतंक मुक्त विश्व बनाने की योजना, इसको लेकर ट्रंप भी आगे आये है जो नये सूरज का अभ्युदय है। लेकिन ट्रंप का नया दौर कहीं मौखिक हमलों या कटु उद्गारों तक ही सीमित न रह जाए। इसके लिये जरूरी है कि वह भारत की शांतिपूर्ण नीतियों एवं योजनाओं को अग्रसर करें। भारत सहित तमाम दुनिया यही उम्मीद करेगी कि ट्रंप दुनिया में चल रहे बड़े युद्धों और छद्म युद्धों को रोकने में सफलता हासिल करें साथ ही आतंकवाद के खिलाफ ईमानदार रवैया अपनाये ताकि नई उबरती उभरती दुनिया में अमेरिकी सवमुच महानता का वरन कर सके।

कश्मीर से पंडितों के पलायन का यक्ष प्रश्न

— प्रवीण गुगनानी—

कश्मीर के सर्वाधिक नए जन सांख्यिकीय आंकड़ों पर नजर डाले तो स्वतंत्रता के समय वहां घाटी में 15: कश्मीरी पंडितों की आबादी थी जो आज 1: से नीचे होकर 0: की ओर बढ़ गई है। हाल ही के इतिहास में कश्मीर के ज.स. सांख्यिकी में यदि परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक खोजें तो वह एक दिन, यानि 19 जनवरी 1990 के नाम से जाना जाता है। कश्मीरी पंडितों को उनकी मातृभूमि से खदेड़ देने की इस घटना की यह भीषण और वीभत्स कथा 1989 में आकार लेने लगी थी। पाकिस्तान प्रेरित और प्रायोजित आतंकवादी और अलगाववादी यहाँ अपनी जड़ें बैठा चुके थे। भारत सरकार आतंकवाद की समाप्ति में लगी हुई थी तब के दौर में वहां रह रहे ये कश्मीरी पंडित भारत सरकार के मित्र और इन आतंकियों और अलगाववादियों के दुश्मन और खबरी सिद्ध हो रहे थे। इस दौर में कश्मीर में अलगाववादी समाज और आतंकवादियों ने इस शांतिप्रिय हिन्दू पंडित समाज के विरुद्ध चल रहे अपने धीमे और छदम संघर्ष को घोषित संघर्ष में बदल दिया। इस भयानक नरसंहार पर फारुक अब्दुल्ला की रहस्यमयी चुप्पी और कश्मीरी पंडित विरोधी मानसिकता केवल इस घटना के समय ही सामने नहीं आई थी। तब के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला अपने पिता शेख अब्दुल्ला के कदमों पर चलते हुए अपना कश्मीरी पंडित विरोधी आचरण कई बार सार्वजनिक कर चुके थे। 19 जनवरी 1990 के मध्ययुगीन, भीषण और पाशविक दिन के पूर्व जमात–ए–इस्लामी द्वारा कश्मीर में अलगाववाद को समर्थन करने और कश्मीर को हिन्दू विहीन करनें के उद्देश्य से हिज्बुल मुजाहिदीन की स्थापना हो गई थी। इस हिजबुल मुजाहिदीन ने 4 जनवरी 1990 को कश्मीर के स्थानीय समाचार पत्र में एक एक विज्ञप्ति प्रकाशित कराई जिसमें स्पष्टतः सभी कश्मीरी पंडितों को कश्मीर छोड़ने की धमकी दी गई थी। इस क्रम में उधर पाकिस्तानी प्रधानमन्त्री बेनजीर नें भी टीवी पर कश्मीरियों को भारत से मुक्ति पानें का एक मड़काऊ भाषण दे दिया। घाटी में खुले आम भारत विरोधी नारे लगनें लगे। घाटी की मस्जिदों में अजान के स्थान पर हिन्दुओं के लिए धमकियां और हिन्दुओं को खदेड़नें या मार–काट देने के जहरीले आव्हान बजनें लगे। एक अन्य स्थानीय समाचार पत्र अल–सफा ने भी इस विज्ञप्ति का प्रकाशन किया था। इस भड़काऊ, नफरत, धमकी, हिंसा और भय से भरे शब्दों और आशय वाली इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के बाद कश्मीरी पंडितों में गहरें तक भय, डर घबराहट का संचार हो गया। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि तब तक कश्मीरी पंडितों के विरोध में कई छोटी बड़ी घटनाएं वहां सतत घाट ही रही थी और कश्मीरी प्रशासन और भारत सरकार दोनों ही उन पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे थे। 19जन. 1990 की भीषणता को और कश्मीर और भारत सरकार की विफलता को इससे स्पष्ट समझा जा सकता है कि पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर और दुकानों पर नोटिस चिपका दिए गए थे कि 24 घंटो के भीतर वे घाटी छोड़ कर चले जाएँ या इस्लाम ग्रहण कर कड़ाई से इस्लाम के नियमों का पालन करें। घरों पर धमकी भरें पोस्टर चिपकाने की इस बदनाम घटना से भी भारत और कश्मीरी सरकारें चेती नहीं और परिणाम स्वरुप पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर धूं–धूं जल उठे। तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला इन घटनाओं पर रहस्यमयी आचरण अपनाए रहे, वे कुछ करनें का अभिनय करते रहे और कश्मीरी पंडित अपनी ही भूमि पर ताजा इतिहास की सर्वाधिक पाशविक– बर्बर–क्रूरतम गतिविधियों का खुले आम शिकार होते रहे, घाटी में पहले से फैली अराजकता चरम पर पहुँच गई। कश्मीरी पंडितों के सर काटे गए, कटे सर वाले शवों को चौक–चौराहों पर लटकाया गया। बलात्कार हुए, कश्मीरी पंडितों की स्त्रियों के साथ पाशविक–बर्बर अत्याचार हुए। गर्म सलाखों शरीर में दागी गई और इज्जत आबरू के भय से सैकड़ों कश्मीरी पंडित स्त्रियों ने आत्महत्या करनें में ही भलाई समझी। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों के शवों का समुचित अंतिम संस्कार भी नहीं होनें दिया गया था, कश्यप ऋषि के संस्कारवान कश्मीर में संवेदनाएं समाप्त हो गई और पाशविकता–बर्बरता का वीभत्स नंगा नाच दिखा था। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट और हिजबुल मुजाहिदीन ने जाहिर और सार्वजनिक तौर पर इस हत्याकांड का नेतृत्व किया था। ये सब एकाएक नहीं हुआ था, हिजबुल और अलगाववादियों का अप्रत्यक्ष समर्थन कर रहे फारुख अब्दुल्ला तब भी चुप रहे थे या कार्यवाही करनें का अभिनय मात्र कर रहे थे जब भाजपाई और कश्मीरी पंडितों के नेता टीकालाल टपलू की 14 सित. 1989 को दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी।

अलगाववादियों को कश्मीर प्रशासन का ऐसा वरद हस्त प्राप्त रहा कि बाद में उन्होनें कश्मीरी पंडित और श्रीनगर के न्यायाधीश एन. गंजू की भी हत्या की और प्रतिक्रया होनें पर 320 कश्मीरी स्त्रियों, बच्चों और पुरुषों की हत्या कर दी थी। ऐसी कितनी ही हृदय विदारक, अत्याचारी और बर्बर घटनाएं कश्मीरी पंडितों के साथ घटती चली गई और दिल्ली सरकार लाचार देखती भर रही और उधर श्रीनगर की सरकार तो जैसे खुलकर इन आततायिओं के पक्ष में आ गई थी। इस पृष्ठभूमि में हिजबुल और जेकेएलएफ का दुस्साहस बढ़ना स्वाभाविक ही था और वह निर्णायक तौर पर कश्मीरी पंडितों की दुकानों–घरों पर 24 घंटे में घाटी छोड़ देनें या मार दिए जानें की धमकी के नोटिस चस्पां करनें की हद तक बढ़ गया। इसके बाद जो हुआ वह एक दुखद, क्षोभजनक, वीभत्स, दर्दनाक और इतिहास को दहला देनें वाले काले अध्याय के रूप में सामनें आया।

डाक्टर और दवा कंपनियों का कपट जाल

—प्रियंका सौरभ—

देश में दवाओं की कथिमत सरकार नहीं बल्कि डॉक्टर खुद तय कर रहे हैं। डॉक्टर अपने मुताबिक ब्रांड बनवाते हैं। कथिमत फिक्स करते हैं। 38 रुपए की दवा की एमआरपी 1200 रुपए कर दी जा रही है। यह महज एक एग्जाम्पल है, ऐसा तमाम दवाओं में किया जा रहा है। एक्सपर्ट मानते हैं, 20 साल में 40 हजार करोड़ से दवा का कारोबार 2 लाख करोड़ के पास पहुँच गया है। इसका बड़ा कारण वह एमआरपी में बड़े खेल को मानते हैं। 2005 से 2009 तक 50 प्रतिशत एमआरपी पर दवाएँ बिक रही थी। अगर 1200 रुपए की एमआरपी है तो डीलर को 600 रुपए में दी जाती थी। अब डॉक्टर अपने हिसाब से ही एमआरपी तय करवा रहे हैं। जबकि नियमों के अनुसार डॉक्टर दवाओं के रेट तय नहीं करते। दवाओं के रेट, दवा बनाने वाली कंपनियाँ तय करती हैं। दवाओं के रेट तय करने में कई कारक शामिल होते हैं। दवाओं पर व्यापारियों को अच्छा मुनाफा होता है।

ब्रांडेड दवाओं पर रिटेलर ज्यादा से ज्यादा 20–25 प्रतिशत तक की छूट देते हैं। जेनेरिक दवाओं पर 50–70 प्रतिशत तक की छूट मिलती है। जेनेरिक दवाएँ सस्ती होती हैं क्योंकि उन्हें महंगी जांचों से नहीं गुजरना पड़ता। दवा खरीदते समय, दवा के रैपर पर क्यूआर कोड होना चाहिए. दवा के रैपर पर क्यूआर कोड से दवा का नाम, ब्रैंड का नाम, मैन्युफैक्चरर की जानकारी, मैन्युफैक्चरिंग की तारीख और एक्सपायरी की तारीख मिलती है। दवाओं या उनके अवयवों के बारे में जानकारी के लिए, डॉक्टर या फार्मासिस्ट से पूछा जा सकता है। मगर जो दवाएँ सरकार के कंट्रोल से बाहर, उनमें मनमानी दवा की क्वालिटी और एमआरपी की निगरानी के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइस अथॉरिटी काम करती है। सरकार ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर के माध्यम से दवा की एमआरपी पर नियंत्रण रखती है। आवश्यक और जीवन रक्षक दवाओं के लिए अधिकतम मूल्य निर्धारित करने के साथ डीपीसीओ की जिम्मेदारी मरीजों के लिए दवाएँ सस्ती और सुलभ कराने की भी है।

सरकार जिन दवा को डीपीसीओ के अंडर में लाती है, उनकी एमआरपी तो कंट्रोल में होती है, लेकिन सैकड़ों फॉर्मूले की दवाएँ आज भी सरकार के कंट्रोल से बाहर हैं, जिसकी एमआर पी में मनमानी चल रही है। दवाओं की कीमतों में इजाफे को लेकर सरकार की गाइडलाइन है कि एक साल में 10 प्रतिशत ही एमआरपी बढ़ाई जा सकती है। लेकिन कंपनियाँ प्रोडक्ट्स का नाम बदलकर हर साल डॉक्टरों की डिमांड वाली एमआरपी बना रही हैं। कंपनियाँ अलग डिवीजन और ब्रांड बदलकर एमआरपी अपने हिसाब से फिक्स कर देती हैं।

फार्मा फैक्टिरयों से ही देश में दवाएँ सप्लाई की जाती हैं। कंपनियाँ और डॉक्टरों के इस खेल में कंपनियाँ अपने मुनाफे के लिए नियमों को ताक पर रखकर डॉक्टरों के हिसाब से न सिर्फ दवाएँ बनाने को तैयार हो जाती है, बल्कि मनमानी कीमत भी तय कर देती है। यही नहीं इन कंपनियों से मोबाइल पर ही डील हो जाती है। तभी तो देश भर में डॉक्टर और हॉस्पिटल खुद अपनी दवाएँ बनवा ही रहे हैं और मनमाफिक मूल्य पर बेच रहे है। डॉक्टर और हॉस्पिटल तो खुद अपनी दवाएँ बनवा रहे हैं और माइक्रो पायलट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे ही एक्सपायरी निर्धारित होती है। अगर दवा में माइक्रो पायलट की क्वालिटी थोड़ी डाउन कर दी जाए तो मार्जिन बढ़ जाएगा, लेकिन एक्सपायरी का समय कम हो जाएगा। इसके पीछे कारण यह कि मटेरियल और एक्सपायरी को लेकर सरकार की कोई गाइडलाइन नहीं है। एक्सपायरी की डेट भी कंपनियाँ तय करती हैं। सरकार के कंट्रोल में जो दवाएँ हैं, इसे लेकर थोड़ी सख्ती है। बाकी मेडिसिन पर कोई खघस निगरानी नहीं है।

ये एक गंभीर विषय है कि दवा का निर्माण, आयात या बिक्री करने वाली कंपनियाँ ही दवा की कीमतें निर्धारित करती हैं। नियमों में कहा गया है कि केवल प्रिस्क्रिप्शन वाली दवा और ओवर–द–काउंटर दवा के प्रकार जो केवल फार्मेसियों में बेचे जा सकते हैं, उन्हें सभी फार्मेसियों में बिल्कुल एक ही कथिमत पर बेचा जाना चाहिए। इसलिए, कई दवाओं की कीमतें फार्मेसियों के बीच उतार–चढ़ाव नहीं करती हैं, जिसका अर्थ है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अपना प्रिस्क्रिप्शन भरने के लिए किस फार्मेसी को चुनते हैं। यही नहीं दवा बनाने वाली कंपनियां पर ये नियम सख्ती से लागू किये जाए कि वह हर साल्ट का मूल्य भारत सरकार के नियमानुसार एक जैसा निर्धारित करे चाहे ब्रांड कोई भी हो।

चलते–चलते स्कूली वैन में लगी आग, 20 छात्र–छात्राओं की बचाई गई जान

संवाददाता–देवरिया। महुआनी चौराहा पर स्थित विक्रम पब्लिक स्कूल में मंगलवार को दोपहर बाद छुट्टी हुई। स्कूल से करीब बीस छात्र–छात्राओं को लेकर एक स्कूली वैन कुशहरी गांव के लिए निकला। अभी वैन विशुनपुर कला चौराहा से कुशहरी के लिए जा रहा था, तभी वैन की इंजन में अचानक आग लग गई। अभी चालक कुछ समझ पाता तब तक वैन के अंदर धुंआ फैल गया। कुशहरी गांव के पास मंगलवार को चलती स्कूली बच्चों से भरी वैन में आग लग गई, जिससे वैन के अंदर धुंआ फैल गया। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। शोर सुनकर रास्ते से गुजर रहे युवाओं ने किसी तरह 20 बच्चों को वैन से बाहर निकाल उनकी जान बचा ली। जबकि विद्यार्थियों के बैग, पुस्तक व अन्य समान आग में वाहन के साथ जल गए।

जानकारी पर गुस्साए लोगों ने स्कूल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हंगामा किया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस नाराज लोगों को किसी तरह शांत कराकर वैन चालक को हिरासत में ले लिया। आग लगने की वजह शार्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। देवरिया सदर से सटे महुआनी चौराहा पर स्थित विक्रम पब्लिक स्कूल में मंगलवार को दोपहर बाद छुट्टी हुई। स्कूल से करीब बीस छात्र–छात्राओं को लेकर एक स्कूली वैन कुशहरी गांव के लिए निकला। अभी वैन विशुनपुर कला चौराहा से कुशहरी के लिए जा रहा था, तभी वैन की इंजन में अचानक आग लग गई। अभी चालक कुछ समझ पाता तब तक वैन के अंदर धुंआ फैल गया। यह देख वाहन में सवार बच्चे चीखने–चिल्लाने लगे। स्कूली वैन से आग की लपटें देख मौके पर अफरा–तफरी मच गई। इसी बीच रास्ते से गुजर रहे युवाओं ने वैन से बच्चों की रोने व शोर मचाने की आवाज सुनकर रुक गए।

उन्होंने साहस का परिचय देते हुए एक–एक बच्चों को खिड़की के रास्ते बाहर निकाल उनकी जान बचा ली। कुछ देर में घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। नाराज लोगों ने स्कूल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनपर कार्रवाई की मांग करने लगे। लोगों का गुस्सा देख वाहन चालक पास के एक घर में छुप गया। इसी दौरान किसी ने इसकी जानकारी पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची बरियारपुर पुलिस ने गुस्साए लोगों को किसी तरह शांत कराया, साथ ही चालक को हिरासत में ले लिया। घटना के बाद लोगों ने बताया कि जर्जर पुरानी वाहन से स्कूल प्रशासन बच्चों को लेकर आता–जाता था। इसकी कई बार शिकायत की गई लेकिन उन्होंने लापरवाही किया। लोगों ने बताया कि प्रशासन भी प्राइवेट स्कूलों पर मेहरबान है। उनके वाहन व अन्य साधन कभी चेक नहीं किए जाते हैं। एसओ कंचन राय ने बताया कि चलती स्कूली वैन में शॉर्ट सर्किट आग लगने की वजह बताई गई है। चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

आवास बनवाने में देरी करने पर 368 के खिलाफ आरसी जारी

संवाददाता–महराजगंज। जिलाधिकारी अनुनय झा ने मंगलवार को डूडा और नगर निकायों की समीक्षा कलक्ट्रेट सभागार में की। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास शहरी की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों में किश्त मिलने के बाद भी संबंधित लाभार्थी की ओर से आवास पूरा करने में विलंब किया जा रहा है उनके खिलाफ आरसी जारी करें।

इससे पूर्व अपर जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में 30568 आवास के लक्ष्य के सापेक्ष 28838 आवास पूर्ण हो चुके हैं। 368 व्यक्तियों के खिलाफ आरसी जारी की गई है। जिलाधिकारी ने निकायों में वेंडर प्रोफाइलिंग की समीक्षा करते हुए नौतनवां और निचलौल में अपेक्षित वेंडर प्रोफाइलिंग न होने पर नाराजगी व्यक्त की और सभी निकायों को न्यूनतम 80 प्रतिशत वेंडर प्रोफाइलिंग और 90 प्रतिशत फैमिली प्रोफाइलिंग के निर्देश दिए।

निकायों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने 15वें वित्त की परियोजनाओं में टेंडर को पूर्ण करते हुए अनुबंध की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसमें किसी प्रकार का विलंब न करें। जिलाधिकारी ने अवैध होर्डिंग्ध फ्लैक्स को अभियान चलाकर हटवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों को प्रवर्तन कार्यों को तेज करने के निर्देश दिए। कहा कि सभी निकाय सफाई शुल्क से प्राप्त राजस्व में वृद्धि करें। उन्होंने आनंदनगर में कम सफाई शुल्क होने पर असंतोष व्यक्त किया।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

संवाददाता–गोण्डा। नगर कोतवाली क्षेत्र के ददुआ बाजार सोनार गली निवासी पंकज कसौधन पुत्र राजा राम ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार सुबह मौके पर पहुंची बडगांव चौकी पुलिस ने लोगो से पूछताछ कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताया जाता है घर वालों ने सुबह पंकज को फांसी के फंदे से लटकते हुए देखा। इसके बाद रोना–पीटना मच गया। मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। नगर कोतवाल संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

दो साल बाद फिर शुरू हुई शादी अनुदान योजना

संवाददाता–श्रावस्ती। बंद चल रही शादी अनुदान योजना को शासन ने फिर से शुरू करने का फैसला किया है। समाज कल्याण विभाग से संचालित होने वाली योजना में गरीब परिवार की बेटी की शादी के लिए 20 हजार रुपये दिए जाएंगे। जिसके लिए आनलाइन आवेदन करना होगा। प्रदेश सरकार की ओर से गरीब परिवारों की बेटियों की शादी के लिए अनुदान योजना शुरू की गई थी। लेकिन 2021–22 के बाद योजना को बंद कर दिया गया था। लेकिन मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के जरिए जरूरतमंद परिवारों को लाभांवित किया जा रहा था। करीब दो साल से बंद पड़ी योजना को सरकार ने अब फिर से शुरू किया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी डा अमरनाथ यति ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के साथ ही अब फिर से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्तियों की बेटियों के विवाह के लिए शादी अनुदान योजना शुरू की गई है। जिसके लिए आनलाइन आवेदन होगा। ग्रामीण क्षेत्र में सालाना आय 46,080 रुपये व शहरी क्षेत्र के लिए सालाना आय 56, 460 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। लड़की की आयु 18 वर्ष या इससे अधिक व लड़के की आयु 21 वर्ष या इससे अधिक होनी चाहिए। एक ही परिवार की दो लड़कियां शादी अनुदान का लाभ ले सकती हैं। शादी के 90 दिन पहले या 90 दिन बाद तक ही आवेदन कर सकते हैं।

क्षय रोगियों को अस्पताल पहुंचाने की दिलाई गई शपथ

संवाददाता–बलरामपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत चल रहे सौ दिवसीय विशेष टीबी अभियान के तहत मंगलवार को उतरौला के एचआरए इंटर कॉलेज में टीबी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कॉलेज प्रबंधक अंसार अहमद खान की मौजूदगी में छात्र–छात्राओं को क्षय रोग के प्रति जागरुकता फैलाने एवं रोग से पीड़ित लोगों को अस्पताल पहुंचाने की शपथ दिलाई गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बताया कि जनमानस को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए सरकार 100 दिवसीय क्षय रोग सघन अभियान चलाया जा रहा है। छात्र–छात्राओं एवं अध्यापकों को क्षय रोग के लक्षण, उपचार और उसके निदान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ानाने के साथ–साथ इसके रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाना है। साथ ही लोगों को क्षय रोग से पीड़ित व्यक्तियों को सरकारी अस्पताल में ले जाकर निरूशुल्क इलाज के लिए प्रेरित करने का भी संकल्प दिलाया गया। इस दौरान कॉलेज के छात्र–छात्राओं द्वारा क्षय रोग पर आधारित प्रेरणादायक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। हारेगा टीबी, जीतेगा भारत विषय पर विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। कालेज प्रबंधक अंसार अहमद ने लोगों को निश्चय मित्र बनने का आह्वान किया। साथ ही टीबी मरीजों को गोद लेने व उनकी मदद करने का आश्वासन दिया। हैप्पी टू हेल्प संस्था के अध्यक्ष शहजाद अहमद ने टीबी के इलाज से संबंधित जानकारी साझा कर मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके एसटीएस आशीष यादव, एसटीएलएस दिनेश भूषण तिवारी आदि मौजूद रहे।

नहर के पानी से कट गया 10 हजार लोगों का रास्ता

संवाददाता–गोण्डा। नगर के पानी के तेज बहाव से बेलसर का बक्सैला–मन्नी पुरवा संपर्क मार्ग पूरी तरह से कट गया जिससे दस हजार लोगों का आवागमन बाधित हो गया। अब इन्हें तीन से चार किलोमीटर का चक्कर काटकर बेलसर के मुख्यमार्ग तक पहुंचना पड़ता है। सरयू नहर खंड प्रथम की तरबगंज कर्नलगंज शाखा पर पुल का निर्माण किया जा रहा है। लोगों के आवागमन के लिए बगल से अस्थायी अप्रोच मार्ग बनाया गया था। इससे लोग आवागमन करते थे। लेकिन, इस बीच दो दिन पहले नगर का पानी छोड़ा गया, जिससे ये आधा रास्ता कट गया।

जिसकी सूचना ग्रामीणों ने नगर विभाग के कर्मियों को दी। कोई सुनवाई नहीं हुई। सोमवार की रात को तेज बहाव के कारण पूरा रास्ता कट गया जिससे अब राम नेवाज पुरवा, बकसैला, धमरैया, रामदीन पुरवा, मंगल पुरवा, मन्नी पुरवा, गाना पुरवा, बादलपुर ,गोपीपुर, मछरहिया, कपनी,

सर्वजीत पुरवा, मंगुरा, खरगूपुर के 10 हजार लोगों का सीधा आवागमन बंद हो गया। अब इन गांवों के लोगों को करीब चार किलोमीटर घूमकर मुख्य मार्ग तक पहुंचना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना नहर की सफाई कराए ही पानी छोड़ दिया गया। जिससे पीपे में कूड़ा फंस गया और नहर कट गई। किसान राजेश तिवारी ने बताया कि तीन दिन से फोटो, वीडियो बनाकर अवर अभियंता व ठेकेदार को भेज रहा हूं कि पुल के पास कटान तेजी से हो रही है लेकिन कोई मौके तक नही पहुंचा। खजुरी निधि निवासी सलामत ने बताया रास्ता बंद हो जाने से करीब दस हजार आबादी पर प्रभाव पड़ा है।

डिडसिया कला के सुभाष ने बताया कि खजुरी जा रहे थे। पुल के पास सड़क बह जाने से रास्ता बंद हो गया है। मन्नी पुरवा निवासी परशुराम दूबे ने बताया कि वे राम खजुरी का रास्ता बंद हो गया है। अवर अभियंता सरयू नहर खंड प्रथम बब्बू आजाद ने बताया कि सूचना मिली है अभी कुछ देर में रास्ता को बंद करा दिया जायेगा। कोई दुर्घटना न हो इसके लिए बैरीकेटिंग कराया जायेगा।

जगद्गुरु रामानंदाचार्य ने हिंदू सनातन धर्म को संगठित करने का कार्य किया -महंत रामप्रिया शरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। वैष्णो नगरी अयोध्या में जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज की 725 वीं जन्मतिथि हर्षोल्लास के साथ मनाई गई और उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालने के लिए कई कार्यक्रम हुए। भागवताचार्य स्मारक सदन में संतो ने गोष्ठी का आयोजन करके जगतगुरु के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला तो वही मणिराम दास छावनी से जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज की जयंती पर गति वर्षों की भांति इस वर्ष भी बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए मणिराम दास जानी पहुंची और कई स्थानों पर जगत गुरु महाराज की आरती भी उतारी गई। वहीं अयोध्या के सिद्ध पीठ रसमोद कुंज पीठाधीश्वर महंत राम प्रिया शरण जी महाराज के सानिध्य में जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। श्री महाराज जी ने बताया कि रामानंदाचार्य जी महाराज ने हिंदू सनातन धर्म को संगठित और व्यवस्थित करने के अथक प्रयास किए। उन्होंने वैष्णव सम्प्रदाय को पुनर्गठित किया तथा वैष्णव साधुओं को उनका आत्मसम्मान दिलाया। रामानंद वैष्णव भक्ति धारा के महान संत हैं। सोचें जिनके शिष्य संत कबीर और रविदास जैसे संत रहे हों तो वे कितने महान रहे होंगे। श्री महाराज जी ने बताया कि जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज ने कहा कि जाति पाती पूछे नहीं कोई हरिका बजे सो हरि का होई। यही कारण है कि जो भी लोग वैष्णो रामानंद संप्रदाय में संत बनते हैं उनकी जाति समाप्त हो जाती है और वह वैष्णो हो जाते हैं।

श्री महाराज जी ने बताया कि आज जगत गुरु महाराज की जयंती पर विधिवत पूजन अर्चन वैदिक विद्वानों द्वारा किया गया और पद गायन करके उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया उन्होंने कहा कार्यक्रम में मुख्य रूप से राघवेंद्र शरण, रामानंद शरण, लाल जी शरण, राम भरोसे, जयराम दास ,रामचंद्र दास, रामचंद्र श्रृंगारी, युगल किशोर शरण, विमल शरण ,राम स्वरूप शरण, राजेंद्र पाण्डेय, सिया बिहारी शरण सहित सैकड़ों शिष्य भक्त गण उपस्थित रहे।

एसीएमओ ने इंसेफलाइटिस ट्रीटमेंट सेन्टर की देखी हकीकत

संवाददाता–बलरामपुर। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी संतोष कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को संयुक्त जिला चिकित्सालय में संचालित इंसेफेलाइटिस ट्रीटमेंट सेंटर का निरीक्षण किया। विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए उन्होंने वार्ड में लगे बेड के साथ दवाओं की उपलब्धता वह उपकरणों की भी जांच की। कहां की ईसी सेंटर में सभी आवश्यक दवाएं उपलब्ध होनी चाहिए। अपर सीएमओ डॉक्टर संतोष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मुकेश कुमार रस्तोगी के निर्देश पर सभी अस्पतालों में ईटीसी सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं व कार्यक्रमों की समीक्षा शुरू की गई है। इसी क्रम में मंगलवार को संयुक्त जिला चिकित्सालय में स्थित ईटीसी सेंटर का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान इंसेफेलाइटिस ट्रीटमेंट सेंटर में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित को दिया गया है। उन्होंने फाइलेरिया रोगियों को एमएमडीपी किट देने वी पोर्टल पर फीडिंग करने का निर्देश दिया । कहा कि बदलते मौसम में बीमारियां तेजी से फैल रही हैं। अस्पतालों में वायरल व दिमागी बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं। ठंड में मच्छरों का भी प्रकोप बढ़ रहा है। ऐसे में ईटीसी वार्ड की व्यवस्था 24 घंटे दुरुस्त होनी चाहिए । इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी । जो भी मरीज आते हैं उन्हें समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाए। आवश्यकता पड़ने पर ही उन्हें रेफर किया जाए। इस मौके पर अस्पताल क्वालिटी प्रबंधक डॉ रुचि पांडेय, जिला मलेरिया अधिकारी राजेश पांडेय व महामारी विशेषज्ञ डॉक्टर श्याम जी श्रीवास्तव मौजूद थे।

खेत बिक्री के नाम पर लिया गया धन हड़पा, नहीं किया बैनामा

संवाददाता–बहराइच। एक महिला ने भूमि खरीदने को साढ़े तीन लाख की रकम दी। तय समय पर विक्रेता तहसील पर बैनामा से पूर्व खिसक गया। न तो बैनामा किया, और न ही धन वापस किया। यही नहीं पीड़िता के बेटे पर गोली चलाई गई। उस मामले में भी केस दर्ज है। पीड़िता की तहरीर पर धन हड़पने के मामले में केस दर्ज नहीं होने पर उसने कोर्ट की शरण लेकर केस दर्ज कराया है।

मुर्तिहा कोतवाली के मंझरा के मजरे मिर्जवा निवासिनी खातून पत्नी मोहम्मद शरीफ ने नौबना निवासी मनी राम पुत्र लल्लू व उसकी पत्नी शिला देवी से खेत भूमि खरीदने को साढ़े तीन लाख में सौदा तय किया। मनीराम को धन की जरूरत थी। खातून ने मनीराम की पत्नी शिला देवी के आर्यवर्त बैंक उर्रा शाखा स्थित खाते में 3 मई 2023 को डेढ़ लाख रुपये पति शरीफ के खाते से ट्रांसफर कराए। खातून के बेटे मुस्तकीम के बैंक खाते से मनीराम के बैंक खाते में 1.18 लाख ट्रांसफर कराए। खातून के बेटे मुस्तकीम के खाते से मनीराम के खाते में 70 हजार रुपये ट्रांसफर कराए। मनीराम व शिला देवी के खाते में कुल 3.38 लाख की नकदी पहुंची। नौ अक्तूबर 2023 को बैनामा करना तय किया गया। तहसील पर बैनामा स्टाम्प तैयार किए गए। अंगूठा निशान लगाए जाने के दौरान मनीराम बहाने से खिसक लिया। दूसरे दिन मनीराम मिला तो बैनामा न करने की वजह पूछने पर जानमाल की धमकी दी। धन न देने की बात की। पीड़िता के मुताबिक इसी रंजिश में उसके बेटे अनीश को गोली मार कर घायल कर दिया। यह केस कोर्ट में लंबित है। धन हड़पने की शिकायत पर केस दर्ज नहीं हुआ। पीड़िता ने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर मुर्तिहा कोतवाली में अमानत में खयानत व धोखाधड़ी की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

सड़क हादसों में महिला की मौत, तीन लोग घायल

संवाददाता–बहराइच। बहराइच–नानपारा हाईवे पर मटेरा थाने के चौराहा के पास ट्रक ने सामने से आ रहे बाइक सवार को टक्कर मार दी। बाइक पर मोतीपुर थाना के चिरौंधा निवासी सलमान (26) उनकी पत्नी जौहरा (23) और सास आयशा बानो (50) को सवार थी। मौके पर ही जौहरा की मौत हो गई।

मृतका की मां और पति गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर आई पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। मृतका के चाचा मकबूल ने बताया वे लोग बहराइच के एक निजी अस्पताल में भर्ती रिश्तेदार को देखने जा रहे थे। रास्ते में हादसे का शिकार हो गए। बताया कि उनको तीन बेटियां है, पति मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करते हैं। मौत से परिजनों में कोहराम है। मटेरा थानाध्यक्ष मदन लाल ने बताया टक्कर मारने वाले चालक को ट्रक समेत पकड़ लिया गया है। वहीं रूपईडीहा थाना के बरबलिया चौराहा के पास सोमवार की रात बाइक सवार सिंगहा गांव निवासी तसरीफ अहमद (26) की बाइक अनियंत्रित हो गई। इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

बगैर हेलमेट 26 जनवरी से नहीं मिलेगा जिले के पंपों पर पेट्रोल

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के पेट्रोल पंपों से 26 जनवरी से बिना हेलमेट किसी बाइक को पेट्रोल नहीं मिलेगा। यह आदेश डीएम विशाल भारद्वाज ने जिले के सभी पंप संचालकों को जारी किए हैं। यदि बाइक पर चालक के साथ कोई सवार है तो उसे भी हेलमेट पहनना अनिवार्य है। सभी पंप संचालक बुधवार से इससे संबंधित नो हेलमेट नो फ्यूल के पोस्टर होर्डिंग आदि लगाकर लोगों को जागरूक करेंगे। जिले में कुल 155 पेट्रोल पंप हैं। डीएम ने इससे संबंधित निर्देश में कहा है कि मोटर वाहन अधिनियम में बिना हेलमेट बाइक चलाना दण्डनीय है, जिसमें जुर्माने का प्रविधान है। जनपद कुशीनगर में स्थित सभी पेट्रोल पम्प संचालकों एवं स्वामियों को निर्देश दिये जाते है कि आगामी 07 दिवसों में अपने प्रांगण में इस आशय के बड़े–बड़े होर्डिंग लगायेंगे कि 26 जनवरी से किसी भी ऐसे दो पहिया वाहन चालक, को पेट्रोल का विक्रय नहीं किया जायेगा, जिसके चालक तथा सहयात्री ने हेलमेट नहीं पहना हो। सभी पेट्रोल पम्प संचालक यह भी सुनिश्चित करेंगे कि उनके प्रतिष्ठान में सीसीटीवी कैमरे सदैव सक्रिय रहेंगे ताकि किसी भी विवाद की स्थिति में फुटेज का अवलोकन कर आवश्यक निर्णय लिया जा सके। डीएम ने बताया कि हाल ही में राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा में सुधार हेतु जनपद में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करना अनिवार्य है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली असामयिक मृत्यु और गम्भीर चोटों को रोकने के लिए ठोस, दीर्घकालिक और प्रभावी रणनीति की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत की कमी लाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसे प्राप्त करने के लिए नवाचार और व्यवहार परिवर्तन पर केन्द्रित उपायों को अपनाना अनिवार्य है। इस दिशा में शहरी क्षेत्रों में नो हेलमेट, नो फ्यूल रणनीति एक निर्णायक कदम होगी। यह रणनीति न केवल हेलमेट पहनने को अनिवार्य बनाने में सहायक होगी, बल्कि सड़क सुरक्षा के प्रति नागरिकों में जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना को भी प्रोत्साहित करेगी। आदित्य त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष, पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिशन ने कहा कि कोट–आदेश मिला है। सभी पंप संचालक 26 जनवरी से इसका पालन कराएंगे। इससे पहले सभी पंप संचालक अपने परिसर में होर्डिंग पोस्टर आदि लगाकर व लोगों से अपील करेंगे कि बिना हेलमेट बाइक न चलाएं। लोगों को लगातार जागरुक किया जाएगा ताकि वह भी आदेश के अनुपालन में हमारा सहयोग करें।

नाबालिग को भगाने के आरोपी को पंजाब से किया गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। ललिया थाना की पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर भगाने वाले आरोपी को थाना गोबिंदगढ़ जनपद फतेहगढ़ पंजाब से गिरफ्तार कर जेल भेजने का दावा किया है। प्रभारी थाना निरीक्षक बृजानन्द सिंह ने बताया कि ललिया थाना क्षेत्र के एक गांव से नाबालिग लड़की को केरवनिया गांव निवासी अभियुक्त अनिल कुमार उर्फ ननकने वर्मा ने दो माह पहले बहला फुसलाकर कर गोबिंदगढ़ पंजाब प्रांत लेकर चला गया था। उपनिरीक्षक अब्दुल कादिर खान, हेड कांस्टेबल संजीत कुमार यादव व महिला आरक्षी आरती ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की है।

डीएम ने ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया

संवाददाता–श्रावस्ती। मंगलवार को डीएम ने ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयर हाउस की सुरक्षा का जायजा लिया। साथ ही नियमित कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी मंगलवार को कलेक्ट्रेट में स्थित ईवीएम, वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वेयर हाउस में रखे बैलेट यूनिट, कन्ट्रोल यूनिट तथा वीवी पैट की सुरक्षा का जायजा लिया। साथ ही संबंधित को सतत निगरानी व सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के साथ ही सीसीटीवी कवरेज के डीवीआर के रिकार्डिंग मोड पर रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वेयर हाउस की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मी हमेशा सतर्क रहकर निगरानी करें। इस मौके पर अपर जिला मजिस्ट्रेट अमरेन्द्र कुमार वर्मा, उप कृषि निदेशक सुरेन्द्र चन्द्र चौधरी, जिलाध्यक्ष बसपा राजेश कुमार गौतम, जिला उपाध्यक्ष सपा महेश यादव, जिला महासचिव कांग्रेस आदिल शाह, निर्वाचन कार्यालय के प्रधान सहायक सुनील श्रीवास्तव, वरिष्ठ सहायक इम्तियाज अहमद आदि मौजूद रहे।

यूपी स्थापना दिवस पर 24 से 26 तक प्रदर्शनी व लगेगा मेला

संवाददाता–देवरिया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने बताया है कि 24 से 26 जनवरी तक उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जिले में विशेष आयोजन किए जाएंगे। इस आयोजन की तैयारियों को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

इस अवधि में राजकीय इण्टर कॉलेज के प्रांगण में प्रातः 10 बजे से प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि वे इस प्रदर्शनी को सफल बनाने के लिए समुचित तैयारियां सुनिश्चित करें। प्रदर्शनी में उन्नत प्राकृतिक खेती, कृषि विषयों, मिलेट्स (मोटे अनाज) और नवीन कृषि तकनीकों से संबंधित जानकारी दी जाएगी। स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के साथ–साथ चित्रकला और रंगोली प्रदर्शन का आयोजन भी किया जाएगा। रोजगार मेले और वृहद लोन मेले का आयोजन किया जाएगा, जहां नागरिकों को रोजगार और वित्तीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

पशुपालन, मत्स्य, मुर्गीपालन और बकरीपालन से जुड़ी योजनाओं के साथ–साथ हस्तशिल्प और ग्रामोद्योग पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। सड़क सुरक्षा और साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी के साथ उद्यमियों और व्यवसायियों के उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। स्वास्थ्य सेवाओं और योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी भी इस आयोजन का हिस्सा होगी। यह आयोजन प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कृषि, तकनीक, उद्योग और उद्यमिता को प्रदर्शित करने के साथ नागरिकों को जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

श्री राम रक्षा यंत्र श्री राम लला, हनुमान जी के साथ मोदी और योगी को भी समर्पित किया जाएगा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्रीधाम अयोध्या के मणिरामदास छावनी द्वारा संचालित धर्म मंडपम में भव्य रूप से मनाया जायेगा श्री रामलला का वार्षिक महोत्सव जिसमें सनातन धर्मियों और जन कल्याण के लिए सवा लाख श्री राम रक्षा स्तोत्र मंत्र का 250 वैदिक विद्वान करेंगे पाठ। उसके बाद मणिराम दास छावनी में 51 वैदिक विद्वान 41 दिन तक निरंतर मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास के सानिध्य में करेंगे श्री राम रक्षा स्तोत्र का पाठ उक्त बातें श्री राम लला अयोध्या जी सेवा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ आचार्य राजानंद शास्त्री ने बताई। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में सबसे पहले श्री राम जन्मभूमि के लिए शहीद हुए कारसेवकों को नमन किया जाएगा उसके बाद कार्यक्रम का शुभारंभ होगा।

डॉ राजानंद शास्त्री ने बताया कि मणिरामदास छावनी से 9रू15 बजे धर्म ध्वजा यात्रा निकलेगी जिसमें पहले रथ में श्री राम लला, हनुमान जी महाराज की प्रतीकात्मक मूर्ति, होगी और 7 विशेष रूप से 50 ग्राम चांदी द्वारा तैयार किए गए श्री राम रक्षा यंत्र को विराजमान किया जाएगा और दूसरे रथ में महंत कमलनयन दास रहेंगे, उनके साथ संत, महंत समिति के पदाधिकारी और पाठ करने वाले वैदिक विद्वान मणिरामदास छावनी से सरयू तट पहुंचेंगे वहां पूजन होगा और वहां से यात्रा कार्यक्रम

ढाई सौ वैदिक विद्वान श्री राम रक्षा स्तोत्र का करेंगे पाठ

स्थल धर्म मंडपम में पहुंचेगी जहां मंडल पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। मंडल पूजन के बाद राम रक्षा स्तोत्र का पाठ होगा संतों का भंडारा होगा। शाम 4 बजे से संत समागम होगा और 7रू15 बजे से सांस्कृतिक संध्या होगा,जिसमें सुधीर जी व्यास अपने भजन को प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने बताया जिन सात श्री राम रक्षा यंत्र का पूजन 22 जनवरी को किया जाएगा उसमें सबसे पहला यंत्र श्री राम लला को समर्पित किया जाएगा, दूसरा यंत्र हनुमान जी महाराज हनुमानगढ़ी पर समर्पित किया जाएगा। तीसरा यंत्र श्री मणिरामदास छावनी और ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास को समर्पित किया जाएगा और यह यंत्र जो यंत्र को नहीं ले सकते हैं उनके दर्शन के लिए रखा जाएगा। चौथा यंत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया जाएगा, पांचवां यंत्र उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को, छठवां यंत्र समिति के पास रहेगा और सातवां यंत्र जहां धार्मिक अनुष्ठान होंगे हिंदू राष्ट्र के लिए या यूं कहें जहां–जहां सनातन धर्म का प्रचार होगा उसको सफल बनाने के लिए और सनातनियों के दर्शन रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि hanumangadi-com पर जो भी व्यक्ति श्री राम रक्षा यंत्र को बुक करेगा उसके नाम गोत्र से पूजा होगी उसके बाद यह यंत्र उसको दिया जाएगा जो लगभग 14 ग्राम चांदी पर बना होगा। उन्होंने बताया कि श्री राम लला के वार्षिक उत्सव पर जयपुरी रजाई समर्पित की जाएगी और 56 भोग लगाया जाएगा। यंत्र के बारे में उन्होंने बताया कि बुद्ध कौशिक ऋषि ने इस यंत्र की खोज की थी और प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भी श्री राम यंत्र पर की गई है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में अयोध्या के सभी प्रतिष्ठित संत महंत उपस्थित रहेंगे।

राम मंदिर के परकोटा निर्माण की चुनौती बरकरार, 15 दिन में ट्रस्ट के सुपुर्द होंगे पूरे हुए काम

संवाददाता–अयोध्या। मंगलवार को राम मंदिर भवन निर्माण समिति की बैठक का दूसरा दिन है। निर्माण कार्य में अभी भी श्रमिकों की कमी बताई जा रही है। एलएंडटी से कहा गया है कि वो श्रमिकों की संख्या बढ़ाएं। वहीं, परकोटा यानी राम मंदिर का परिक्रमा मार्ग बनाने की चुनौती अभी भी बरकरार है। पूरे हुए कार्य 15 दिन के अंदर ट्रस्ट को सौंप दिए जाएंगे। राम मंदिर परिसर में 20 एकड़ जमीन पर वनस्पति सौंदर्य की भी व्यवस्था की जा रही है।

राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर का भूतल, प्रथम तल और द्वितीय तल के साथ मंदिर के अंदर आइकोनोग्राफी के सभी काम मार्च तक पूरा कर लेंगे। मार्च तक ही प्रथम तल पर राम दरबार की प्रतिष्ठा की जाएगी। द्वितीय तल के गर्भगृह में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के रामायण जो आसानी से उपलब्ध नहीं होते हैं, उनको रखा जाएगा।

बताया कि मंदिर में लगे 370 पिलर पर जो मूर्तियां बनाई जा रही हैं, उनका कार्य भी जल्द पूर्ण कर लिया जाएगा। एसटीपी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट डबल्यूटीपी वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, फायर पोस्ट भवन व इलेक्ट्रिकल सर्विसेज भवन को 15 दिन के अंदर ट्रस्ट को हैंडओवर कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राम मंदिर के अधिकतम कार्य सितंबर तक पूरे कर लिए जाएंगे। यही नहीं राम मंदिर परिसर के 20 एकड़ जमीन में तीन माह के अंदर घास व पेड़ पौधे लगाकर वनस्पति सौंदर्य की भी व्यवस्था की जाएगी। परकोटा यानी राम मंदिर के परिक्रमा मार्ग के कार्य की चुनौती अभी बनी हुई है। इसमें तीन लाख क्यूबिक फीट पत्थर लगाए जाने हैं। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि जून तक इस काम को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है लेकिन कार्यदायी संस्था जून तक कार्य करने में अक्षम साबित हो रही है। यह कार्य भी सितंबर तक पूर्ण होने की उम्मीद है। श्रमिकों की कमी अभी भी बरकरार है। एलएंडटी से कहा गया है कि वह अपने मुख्यालय को पत्र लिखकर श्रमिकों की संख्या बढ़ाने की बात करें।

श्रीकृष्ण की वन्दना से पाप जलते हैं

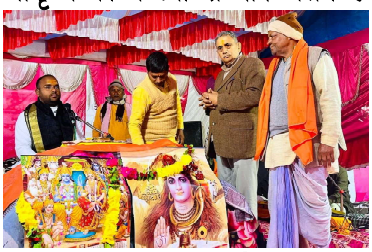

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। श्री बाबा झुंगीनाथ धाम में 7 दिवसीय श्रीविष्णु महायज्ञ संत सम्मेलन में श्रीमदभागवत कथा के दूसरे दिन व्यासपीठ से आचार्य देवर्षि त्रिपाठी ने कहा कि बिना ईश्वर के संसार अपूर्ण है। परमात्मा श्रीकृष्ण परिपूर्ण आनन्द स्वरूप है। भागवत शास्त्र का आदर्श दिव्य है। गोपियों ने घर नहीं छोड़ा, स्वधर्म का त्याग नहीं किया फिर भी वे श्रीभगवान को प्राप्त करने में सफल रहीं। महात्मा जी ने कहा कि दुःख में जो साथ दे वह ईश्वर और सुख में साथ देना वाला जीव है। श्रीकृष्ण की वन्दना से पाप जलते हैं।

महात्मा जी ने कहा कि भागवत मनुष्य को निर्भय बनाता है। मनुष्य ईश्वर का भय नहीं रखता इसीलिये दुःखी है। भागवत के भगवान इतने सरल हैं कि वे सबके साथ बोलने को तत्पर है किन्तु अपने स्वार्थों में लिपटा हुआ जीव तो जगत के स्वामी की भी उपेक्षा कर देता है। महात्मा सन्तोष शुक्ल ने कहा कि सात दिन के भीतर परीक्षित को मुक्ति मिली। निश्चित था कि ठीक सातवे दिन उनका काल आने वाला है किन्तु हम काल को भूल जाते हैं। वक्ता शुकदेव जी जैसा अवधूत और श्रोता परीक्षित जैसा अधिकारी हो तो मुक्ति मिल जाती है।

–श्रीविष्णु महायज्ञ संत सम्मेलन, भागवत कथा

कथा महिमा का वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि भागवत कथा का आनन्द ब्रम्हानन्द से भी श्रेष्ठ है। योगी तो केवल अपना उद्धार करता है किन्तु सतसंगी साथ में आये सभी का उद्धार करते है।

श्रीराम कथा में मुख्य यजमान संयोजक ध्रुवचन्द्र पाठक, मुख्य यजमान गुरू प्रसाद गुप्ता, शिवमूरत यादव, रामसुन्दर, उदयनरायन पाठक, ओम प्रकाश पाठक, परमात्मा सिंह, अनिल पाठक, मनोज विश्वकर्मा, नरेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी, त्रियुगी नारायण त्रिपाठी, हृदयराम गुप्ता, पिन्टू मिश्रा, बब्लू उपाध्याय, रामसेवक गौड़, उर्मिला त्रिपाठी, बीरेन्द्र ओझा, अमरजीत सिंह, शुभम पाठक, राम बहोरे, उमेश दुबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रोता उपस्थित रहे।

ठंड के बीच गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी ने सुनी समस्याएं,बोले– जनता की समस्याओं पर तत्काल लें एक्शन

संवाददाता–गोरखपुर। कड़ाके की ठंड के बावजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल एक्शन लें। इसमें हीलाहवाली अक्षम्य होगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में करीब 100 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

प्रतिकूल मौसम को देखते हुए जनता दर्शन का आयोजन मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में किया गया। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक फरियादी से मिले। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

एक महिला के इलाज संबंधी फरियाद पर उन्होंने अफसरों से कहा कि मेडिकल कॉलेज या किसी अन्य उच्च स्तरीय अस्पताल में इलाज कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। यदि कोई किसी की भूमि पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसे कानून सम्मत सबक सिखाया जाए।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। मंगलवार प्रातःकाल गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने, अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर शीश नवाने के बाद वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने कुछ समय बिताया और गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गोवंश को खूब दुलारने के बाद उन्हें गुड़ खिलाया और गोशाला के भी कार्यकर्ताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

गर्भवती की गोदभराई, बच्चों को कराया अन्नप्राशन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बीडीओ कार्यालय परिसर में मंगलवार को विधायक विनय वर्मा की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों व सहायिकाओं का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। विधायक व पत्नी बबिता वर्मा ने सभी को नव वर्ष के उपलक्ष्य में उपहार भेंट की। इस मौके पर गर्भवती की गोदभराई व बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। विधायक विनय वर्मा ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से हर वर्ग के लोगों को बिना भेदभाव के लाभ दिया जा रहा। शोहरतगढ़ के हर क्षेत्र में जरूरत के अनुसार विकास कार्य होगा। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिका की ओर से बाल पोषाहार सहित अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन किया जा रहा है। इस दौरान सीडीपीओ निर्भय सिंह, रविन्द्र यादव, मो. अरशद, बीडीओ यशोवर्धन सिंह, हरिराम निषाद, रामदास मौर्य, विजय पांडेय आदि मौजूद रहे।

अनट्रेंड स्टाफ नर्स ने कराया प्रसव, बच्चे की मौत पर शिकायत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के एमसीएच विंग में मंगलवार को अनट्रेंड स्टाफ नर्स की लापरवाही से प्रसव के दौरान बच्चे की मौत का आरोप लगाया है। पीड़ित तीमारदारों ने सीएमएस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। बर्डपुर ब्लॉक क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी अंजू (29) पत्नी गोविंद मिश्र गर्भवती थी। प्रसव पीड़ा उठने पर परिजन 21 जनवरी की सुबह लगभग पांच बजे गर्भवती को मेडिकल कॉलेज के एमसीएच विंग लेकर पहुंचे। इस दौरान प्रसव के लिए गर्भवती की जांच कराई गई। मौके पर दो ट्रेनी स्टॉफ नर्स मौजूद थीं। इन दोनों को निर्देश था कि चिकित्सक व ट्रेंड स्टॉफ के आने के बाद ही प्रसव कराएं, बावजूद दोनों ने बिना किसी को सूचना दिए लगभग सुबह 5.30 अंजू को प्रसव के लिए कक्ष में लेकर चली गईं। पति डॉ. गोविंद मिश्र ने आरोप लगाया कि दोनों ट्रेनी स्टॉफ नर्स की लापरवाही से बच्चे की मौत हो गई। इन दोनों ने प्रसव कराने से पहले चिकित्सक व ट्रेंड स्टॉफ को बुलाया होता तो शायद आज बच्चा जीवित रहता। पीड़ित ने सीएमओ को शिकायती पत्र देकर दोनों कर्मियों की सेवा को समाप्त करते हुए कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

डॉ. एसएल पटेल, प्रभारी सीएमएस ने कहा कि एमसीएच विंग में प्रसव के दौरान बच्चे की मौत के मामले में शिकायत मिली है। परिवार ने दो स्टॉफ नर्स के विरुद्ध शिकायत करते हुए लापरवाही का आरोप लगाया है। मामले की जांच कराई जा रही है।

पेट्रोल पंपों पर नो हेलमेट नो फ्यूल का पोस्टर लगना शुरू

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सरकार के निर्देश पर 26 जनवरी से पेट्रोल पंपों पर नो हेलमेट नो फ्यूल वाला नियम लागू होगा। इसको लेकर पेट्रोल पंप मालों ने अपने पंपों पर नो हेलमेट नो फ्यूल का पोस्टर लगाना शुरू कर दिया है। इसे पढ़कर पेट्रोल लेने वाले बाइक चालक अभी से सर्तक हो रहे हैं। बाइक चालकों का कहना है कि मानव जीवन सुरक्षा हित में लिया गया सरकार का यह फैसला स्वागत योग्य है। डुमरियागंज थाना प्रभारी श्याम सुंदर तिवारी ने कहा कि 26 जनवरी से लागू नो हेलमेट नो फ्यूल के नियम का पालन पेट्रोल पंपों पर किया जाना है। इसकी जांच की जाएगी।

लाटरी से 11 संपत्तियों का आवंटन

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण की लेक व्यू अपार्टमेन्ट आवासीय योजना में मंगलवार को लाटरी के जरिये 4 करोड़ से अधिक कीमत की संपत्तियों का आवंटन किया गया। योजना में 2 बीएचके श्रेणी के एक फ्लैट, लोहिया इन्क्लेव प्रथम चरण आवासीय योजना में एमआईजी 3 बीएचके श्रेणी के 2 फ्लैट समेत कुल 11 संपत्तियों का लाटरी के जरिये आवंटन हुआ। संपत्तियों की लाटरी से प्राधिकरण को 4.12 करोड़ रुपये की आय हुई है।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 972 / 94
रामदास
बनाम
रामलौट

1/1 महेन्दर 1/2 धरमेन्दर 1/3 शनिदेव पुत्रगण रामलौट 1/4 श्रीमती शोभा पत्नी रामलौट साकिनान मौजा देवाडीहा तप्पा पिपरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–02–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 04 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 1108 / 2021
रामलौट
बनाम
रामकुमार

1/1 घनश्याम 1/2 राधेश्याम 1/3 सुन्दरश्याम पुत्रगण राम कुमार 1/4 सीता देवी पत्नी रामकुमार 1/5 कमलपता देवी 1/6 मन्जू देवी पुत्रीगण राम कुमार 2. रामदयाल 3. राम प्रसाद पुत्रगण मुनेसर साकिनान मौजा भोजपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–03–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 10 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

चाचा की हत्या के आरोपी भतीजे गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के थाना बखिरा पुलिस ने सूपा गांव में बुजुर्ग की गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित आरोपी उसके दोनों भतीजों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के विरूद्ध कानूनी प्रक्रिया पूरी कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। बखिरा थाना क्षेत्र के सूपा गांव में रविवार को संपत्ति के विवाद में सगे भतीजों ने हंसिया से प्रहार कर चाचा राम सुमेर गौतम (65) पुत्र जोरई की हत्या कर दी थी। वे गांव के बाहर मकान बनवा कर रहते थे। इनको अपनी कोई संतान नहीं है। इनकी पत्नी की बीमारी से करीब चार महीने पहले मौत हो गई थी। इनके भतीजों को शक था कि कहीं रामसुमेर अपनी संपत्ति बेंच न दें अथवा किसी गैर को न दे दें। रविवार को रामसुमेर की उनके भतीजे शक्तिमान और बलिराम उर्फ नानू से कहासुनी शुरू हुई और विवाद बढ़ गया। आरोप है कि दोनों भतीजों ने हंसिया से सिर पर प्रहार कर रामसुमेर को मरणासन्न कर दिया। बाद में एंबुलेंस से घायल को जिला अस्पताल ले गए, जहां रामसुमेर की मौत हो गई। रामसुमेर के साले की बीबी सोनी देवी पत्नी राजमन निवासी बढ़या बाबू ने आरोप लगाया कि उनके ननदोई राम सुमेर की हत्या का उनके भतीजे शक्तिमान और बलिराम उर्फ नानू ने कर दी।

बैंक में घुसे और सीसीटीवी की डीवीआर उठा ले गए चोर

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा कस्बे के डुमरियागंज रोड पर स्थित स्टेट बैंक की शाखा में सोमवार रात चोरों ने सेंध लगाने की कोशिश की है। चोर बैंक भवन के दो खिड़कियों के ग्रिल को तोड़कर अंदर घुस गए और बैंक के काउंटर आदि को खंगालने के बाद रकम हाथ न लगने पर पकड़े जाने की डर से सीसीटीवी की डीवीआर उठा ले गए। घटना की जानकारी बैंक के शाखा प्रबंधक को मंगलवार सुबह हुई है। शाखा प्रबंधक की तहरीर पर इटवा पुलिस व फॉरेंसिक टीम घटना की जांच में जुटी हुई है। पुलिस को दी गई तहरीर में स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक अरुण कुमार जायसवाल ने बताया कि सोमवार देर शाम बैंक बंद कर वह अपने कमरे पर चले गए थे। मंगलवार सुबह में 7:30 बजे बैंक के सफाई कर्मी मोहम्मद सईं व विवेक की ओर से जानकारी दी गई कि रात में बैंक में चोरी का प्रयास किया गया है। सूचना को लेकर वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि बैंक भवन की दो खिड़कियों के ग्रिल टूटे हुए हैं। अंदर घुसकर सामानों का मिलान किया तो पता चला कि कोई सामान, रुपया व आभूषण चोर नहीं ले जा सके हैं। बैंक के अंदर लगे सीसीटीवी के डीवीआर को तोड़ कर उठा ले गए हैं। शायद चोरों ने पकड़े जाने की डर से ऐसा किया है।

फिलहाल शाखा प्रबंधक ने पुलिस से मामले में कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं मामले की जानकारी होने पर पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम घटना की जांच में जुट गई है लेकिन अभी कोई सफलता नहीं मिली है। थानाध्यक्ष इटवा श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा।

बैंक की सुरक्षा को लेकर रात में बैंक के पास पुलिस का पहरा लगाया जाता है। ऐसे में इटवा कस्बे के स्टेट बैंक में हुई घटना के समय पहरे पर रहे पुलिस कर्मी कहां थे, यह जांच का विषय है। बैंक में हुई चोरी की नाकाम कोशिश ने इटवा कस्बे के व्यापारियों को भी डरा दिया है। लोग पुलिस के रात्रि गश्त पर सवाल खड़े करने लगे हैं। व्यापारियों ने एसपी से रात्रि गश्त तेज करने की मांग की है।

आम घरों के साथ–साथ बैंक भी अब चोरों के निशाने पर आ गए। तीन माह में चोरों ने इटवा स्टेट बैंक को लेकर दो बैंकों को निशाना बना चुके हैं। इससे पहले चोरों ने 19 नवम्बर 2024 को इटवा सर्किल के रमवापुरकली स्थित स्टेट बैंक की शाखा को भी निशाना बना चुके हैं। यहां पर चोर बैंक भवन के पीछे की दीवार में सेंध काट कर चोरी का प्रयास किया था। लेकिन सफल नहीं हो पाए थे।

किशोरी संग दुष्कर्म करने के आरोपी का जमानत अर्जी खारिज

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी की जमानत अर्जी एडीजे एवं विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात खारिज कर दिया। आरोपी संजय तुरहा पर 15 वर्षीय अवयस्क किशोरी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया है।

विशेष लोक अभियोजक पाक्सो एक्ट अभिमन्यु पाल, सत्येन्द्र शुक्ल, अनिल कुमार सिंह व सत्य प्रकाश गुप्ता ने बताया कि प्रकरण जिले के बखिरा थाना क्षेत्र का है। प्रकरण में पीड़िता की मां ने अभियोग पंजीकृत कराया था। उसका आरोप था कि उसकी पुत्री की उम्र 15 वर्ष है। आरोपी संजय तुरहा पुत्र रमायन निवासी नगर पंचायत बखिरा ने मोबाइल खरीद कर दिया था और उसी से बातचीत करता था। 15 नवम्बर 2024 को रात लगभग दस बजे शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। इसके बारे में पुत्री ने बताया तो पुत्री को घघसरा थाना सहजनवां जनपद गोरखपुर भेज दिया। आरोपी ने वहां भी जाकर गलत काम किया। इस बात की शिकायत करने पर उसके पिता रमायन और मां आरती देवी ने गाली देकर जान से मारने की धमकी देते हुए भगा दिया। आरोपी के जमानत प्रार्थना पत्र का विशेष लोक अभियोजक अभिमन्यु पाल ने विरोध किया। एडीजे व विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात आरोपी संजय तुरहा का जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
प्रकीर्णवाद सं0–40 / 2024
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
लाल मोहम्मद आदि
बनाम
छबिलाल आदि

1. छबिलाल उम्र करीब 38 वर्ष पुत्र सुखदेव 2. बाबूलाल उम्र करीब 35 वर्ष पुत्र सुखदेव साकिनान मौजा रूधौली कला टोला अम्बेडकरनगर तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम पोस्ट–रूद्रनगर तहसील रूधौली जिला–बस्ती
–उत्तरदातागण (रेस्पान्डेन्ट्स प्रथम वर्ग)
3. श्रीमती उजैहन्निशां उम्र करीब 79 वर्ष पत्नी स्वर्गीय मो0 जमा साकिन रूधौली कला भानपुर रोड, तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम पोस्ट–रूद्रनगर तहसील रूधौली जिला–बस्ती
–उत्तरदाता (रेस्पान्डेन्ट्स द्वितीय वर्ग)
4. सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी महोदय बस्ती
–उत्तरदाता (रेस्पान्डेन्ट्स तृतीय वर्ग)

तारीख पेशी 06–02–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 06 महीना 02 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–575 / 2022
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
मुराली
बनाम
सूर्यनरायन आदि

1. सूर्यनरायन पुत्र राम कुबेर 2. सूर्यमणि 3. चन्द्रमणि 4. रविन्द्रमणि 5. देवमणि पुत्रगण रामआज्ञा 6. राम प्रकाश 7. वशिष्ठ पुत्रगण राम कुबेर साकिनान मौजा बैड़ारी मुस्तहकम पो0 बैड़ारी मुस्तहकम तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–93 / 2022
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
पुन्नल प्रसाद आदि
बनाम
सुखराम आदि

1. सुखराम 2. सुग्रीव 3. दूधनाथ 4. आज्ञाराम 5. हृदयराम 6. राजबली पुत्रगण राम अचल निवासीगण लहरी तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 17–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

बाइक की ठोकर से घायल बुजुर्ग की मेडिकल कालेज में मौत

संवाददाता–गोरखपुर। कैम्पियरगंज क्षेत्र के खड़खड़िया के विश्राम चौराहा से गेहूं पिसवाकर घर लौट रहा बुजुर्ग बाइक की ठोकर से घायल हो गया। इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज में उनकी मौत हो गई। बुजुर्ग के बेटे रामाज्ञा की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। कैम्पियरगंज थाना क्षेत्र के खड़खड़िया निवासी रामाज्ञा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि हमारे पिता हरिराम विश्राम चौराहे से गेहूं पिसवाकर घर लौट रहे थे। पीछे से अपने दायें आकर बाइक सवार ने ठोकर मार दी, जिससे हड्डी टूट गई और काफी रक्तस्राव हुआ। बाइक समेत चालक को पकड़ लिया गया। पिताजी को लेकर धानी सीएचसी गया। जहां से चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। एम्बुलेंस से ले जाकर उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

सास–बहू का शव रख ग्रामीणों ने जाम किया रामजानकी मार्ग

संवाददाता–संतकबीरनगर। धनघटा थाना क्षेत्र के लोहरैया के समीप हुई मार्ग घटना में मृतक सास बहू के शव को राम जानकी मार्ग पर रखकर मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने आंदोलन शुरू कर दिया। आंदोलन के कारण राम जानकी मार्ग जाम हो गया। प्रशासन ग्रामीणों को मनाने में जुटा रहा। मौके पर एसडीएम व सीओ पहुंच गए। एसडीएम ने सरकारी सहायता के साथ एक बिस्वा भूमि के आवासीय पट्टा का आश्वासन दिया, लेकिन ग्रामीण नहीं माने। इसके बाद नगर पंचायत हैंसर बाजार धनघटा के चेयरमैन पति नीलमणि मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिवार को 50 हजार की आर्थिक सहायता के साथ ही एक सदस्य को नगर पंचायत में सफाई कर्मी की नौकरी देने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन और ग्रामीण मान गए और धरना समाप्त किया। इस बीच करीब ढाई घंटे तक मार्ग जाम रहा। रविवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे घर से निकली टांड़ा ग्राम पंचायत के मिश्रौलिया टोला की ऊषा पत्नी लालमोहर (50), मीना पत्नी मुकेश (32), माधुरी पत्नी उमेश (22) को एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने रौंद दिया था। दुर्घटना में सास ऊषा की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं गम्भीर रूप से घायल उसकी दोनों बहू मीना और माधुरी को उपचार के लिए सीएचसी हैंसर ले जाया गया। वहां से चिकित्सकों ने हालत गम्भीर देख जिला अस्पताल रेफर किया। जिला अस्पताल से दोनों को मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। मेडिकल कॉलेज में बड़ी बहू मीना की हालत में सुधार न देख डाक्टरों ने लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। लखनऊ में इलाज के दौरान मीना ने सोमवार की सुबह करीब चार बजे दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद सास और बहू का शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया। ग्रामीण और आक्रोशित हो गए और सड़क पर उतर गए। मंगलवार की सुबह सात बजे राम जानकी मार्ग को जाम कर दिया।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलःbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com